वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :4 अंक : 102 | सोमवार 5 अगस्त 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

जयपुरवासियों ने पौधों के बीज गिराते हुए पूरी की दौड़

'फ्रेंडशिप विद द नेचर' थीम पर हुआ मैराथन का आयोजन, फिनिशर्स को मिले मेडल और अम्ब्रेला

जयपुर. कासं। फ्रेंडशिप डे के खास मौके पर 'त्रिमूर्ति मानसून रन' के आठवें संस्करण का आयोजन कूकस स्थित लोहागढ़ फोर्ट रिसोर्ट में किया गया। इवेंट के दौरान रनर्स ने 21 किलोमीटर, 10 किलोमीटर और 5 किलोमीटर की कैटेगरी में दौड़ पूरी की। इस मेगा इवेंट का आयोजन त्रिमूर्ति बिल्डर्स और जयपुर रनर्स क्लब की ओर से जीसीएल और बियानी कॉलेज के सेहियोग से किया गया। मैराथन के दौरान अपने रास्ते में विभिन्न पौधों के बीजों को गिराते हुए अपने आस-पास हरियाली रखने व पर्यावरण को संरक्षित करने का संदेश दिया। जयपुर रनर्स क्लब के को फाउंडर मुकेश मिश्रा ने कहा कि हम उम्मीद करते हैं कि जयपुर रनर्स क्लब सभी लोगो को अपने स्वास्थ्य के लिए सजग रहने के लिए प्रेरित करता रहेगा और फ्रेंडशिप विद हेल्थ के उद्देश्य के साथ आगे बढ़ता रहेगा। प्रवीण तिजारिया, अध्यक्ष और कार्यकारी अध्यक्ष दीपक शर्मा बागड़ा ने बताया दौड़ के दौरान सफाई का खास ध्यान रखा गया। रनर्स ने जॉग करते हुए प्लॉगिंग भी की जिससे आस पास सफाई रखने का भी मैसेज दिया गया। फिट योग से अरविंद सिंह ने जुंबा डांस के साथ वार्म अप कराकर कार्यक्रम की शुरूआत कराई। सबसे पहले 21 किमी की दौड़ के लिए फ्लैग ऑफ किया गया उसके बाद रनर्स 10 और 5 किमी की कैटेगरी की दौड़ के लिए रवाना हुए। त्रिमूर्ति मानसून रन लोहागढ़ फोर्ट रिसोर्ट से शुरू हुई और छापरड़ी गांव की ओर जाते हुए प्रतिभागी इसी मार्ग से वापस लोहागढ़ कुकस लौटे जहां दौड़ फिनिश करने पर प्रतिभागियों को मेडल और छाता गिफ्ट दिया गया। साथ ही सभी प्रतिभागियों के लिए रिफ्रेशमेंट की सुविधा आयोजित की गई। @ पेज 3 पर

राज्यपाल ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात की

जयपुर. शाबाश इंडिया। राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागडे ने रविवार को दिल्ली में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात की। राज्यपाल ने इस दौरान विभिन्न विषयों पर उनसे चर्चा की। राज्यपाल की रक्षा मंत्री से यह शिष्टाचार भेंट थी।

दिल्ली वासियों के स्वागत के लिए तैयार है बीकानेर हाउस का तीज मेला

सोमवार से होगा रंगारंग राजस्थानी सांस्कृतिक कार्यक्रम

जयपुर. कासं। नई दिल्ली के बीकानेर हाउस में 4 अगस्त से 11 अगस्त तक चलने वाले तीज उत्सव की तैयारियां पूरी हो चुकी है। तीज उत्सव के दौरान चलने वाले राजस्थानी हैंडीक्राफ्ट मेले की दुकानें दिल्ली वासियों के लिए खरीदारी का रोमांचक अनुभव देने के लिए तैयार है। इस मेले में आगंतुक राजस्थानी कला संस्कृति और प्रादेशिक अंचल से जुड़े हैंडीक्राफ्ट के सामान, महिलाओं के लिए राजस्थानी वेशभूषा, साड़ियां, बैंगल्स इत्यादि की खरीदारी के साथ-साथ लजीज व्यंजनों का स्वाद भी उठा सकेंगे। बीकानेर हाउस में चलने वाले इस सात दिवसीय उत्सव में सोमवार 5 तारीख को राजस्थान पर्यटन द्वारा सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया जाएगा जिसमें राजस्थान के प्रसिद्ध लोक कलाकार सवाई भट्ट द्वारा गीत-संगीत के साथ मनोरंजन से भरपूर प्रस्तुतियां दी जाएंगी। इसी दौरान 7 अगस्त को तीज की सवारी के साथ-साथ मेले के दौरान महिलाओं के लिए मेहंदी और राजस्थानी पोशाक के कंपटीशन और बच्चों के लिए कई तरह के आयोजन रखे गए हैं।

दिगंबर जैन महासमिति संभाग मानसरोवर ने लगाए 50 बड़े वृक्ष

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन महासमिति मानसरोवर द्वारा आज फ्रेंड्स डे दिवस पर श्री पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर पारस विहार मुहाना मंडी पर हरियाली अमावस को देखते हुए विभिन्न किस्म के 50 7:30 फीट और 8 फीट के वृक्षों का रोपण किया। इस अवसर पर महिलाओं ने लहरिया की साड़ियां पहनकर तीज के त्यौहार की अगवानी की। समिति के अध्यक्ष राजेंद्र कुमार शाह एवं अंचल के महामंत्री महावीर प्रसाद बाकलीवाल, कोषाध्यक्ष ज्ञानचंद जैन ने कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रोफेसर आईपी जैन, श्रीमती मृदुला जैन, विशिष्ट अतिथि मंदिर समिति अध्यक्ष पवन कुमार गोदीका, जयपुर नगर निगम ग्रेटर के अग्नि समन के अध्यक्ष पारस मल जैन, कार्यक्रम के दीप प्रज्वलन करता अशोक कुमार जी श्रीमती विजयलक्ष्मी बड़जात्या का तिलक माला साफा लगाकर स्वागत किया। मंगलाचरण श्रीमती साधना श्रीमती रानी पाटनी द्वारा एव मंच संचालन समिति के महामंत्री सौभाग मल जैन द्वारा किया गया। महामंत्री सौभाग मल जैन ने बताया कि आज प्रातः पारस विहार मुहाना मंडी दिगंबर जैन मंदिर पर प्रात 8:30 बजे अभिषेक के पश्चात सावन की हरियाली अमावस्या को अनेक शुभ योग संयोग में प्रवेश कर रही है इस अवसर पर लोग अपने दिवंगत आत्मा को सद्गति मिले की समृद्धि में पौधा लगाकर जीवन को तर्पण करते हैं इस दिन श्री वस्त योग रवि पुष्प योग सर्वार्थ सिद्धि योग और पुष्प नक्षत्र का शुभ सहयोग बन रहा है इसलिए यह विशेष फलदाई रहता है सभी प्रमुख शिवालयों में शिवजी राजा के रूप में विरासत पर बेलपत्र धतूरा और हरी पत्तियों से उनका हरित श्रृंगार किया जाता है इस अवसर पर धार्मिक और सामाजिक संस्थाएं पौधे लगाते हैं पेड़ हमारे जीवन का आधार है वह हमें प्राण शक्ति ऑक्सीजन देते हैं इसीलिए पेड़ पौधों को संरक्षित करने आदर देने धरती मां के आंगन में हरियाली बिखरने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष हरियाली अमावस्या मनाई जाती है। इस अवसर का पुण्य लाभ लेते हुए समिति के सभी सदस्यों ने अपने-अपने परिवार के नाम से एक-एक वृक्ष लगाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में कई संस्थाओं के पदाधिकारी और गणमान्य लोग उपस्थित हुए अंत में सभी आए हुए महानुभावों का हार्दिक आभार और अभिनंदन किया गया।

जैन सोश्यल ग्रुप नॉर्दन रीजन का आश्रय सेवा पखवाड़ा आरंभ

महानगर ग्रुप ने गायों - पक्षीयों को हरा चारा व अनाज खिलाकर सेवा की

जयपुर. शाबाश इंडिया। जैन सोश्यल ग्रुप इन्टरनेशनल फैडरेशन के आश्रय सेवा पखवाड़ा (4-18 अगस्त तक) का नोर्थन रीजन के तत्वावधान में जैन सोश्यल ग्रुप महानगर द्वारा कार्यक्रम का शुभारंभ महेंद्र गिरधरवाल, सचिव फैडरेशन एवं सिद्धार्थ जैन, सचिव, नॉर्थन रीजन द्वारा दुगार्पुरा गोशाला में गौसेवा एवं पक्षी सेवा गायों को हरा चारा, गुड़, रोटी, तरबूज व पक्षियों को मक्का, जवार, मूँग खिलाकर की। सामाजिक सेवा कार्यक्रम के पुण्यार्जक पंकज - विनीता जैन (कार्यकारिणी सदस्य, महानगर) रहे। अध्यक्ष संजय छाबड़ा व सचिव सुनील जैन गंगवाल ने बताया कार्यक्रम में पूर्व अध्यक्ष प्रदीप जैन, सी एस जैन, वीरेंद्र गदिया, रवि जैन, डॉ राजीव जैन, सुशील कासलीवाल, अमिता -राज जैन, मनीष - निमिशा जैन, अनूप - डिम्पल गोयल, कमलेश - माया जैन, पुखराज- गीतिका, पवन मनीषा, विनीत, अशोक जैन, संजय पांड्या व बहुत से सदस्य उपस्थित होकर सामाजिक सेवा की।

रिपोर्ट : सुनील जैन गंगवाल

लोहागढ़ फोर्ट रिसॉर्ट में 'फ्रेंडशिप विद द नेचर' थीम पर हुआ मैराथन का आयोजन

फिटनेस दौड़ में 21 किलोमीटर, 10 किलोमीटर और 5 किलोमीटर कैटेगरी में दौड़े रनर्स

जयपुर. शाबाश इंडिया

फ्रेंडशिप डे के खास मौके पर रविवार को 'त्रिमूर्ति मानसून रन' के आठवें संस्करण का आयोजन कूकस स्थित लोहागढ़ फोर्ट रिसोर्ट में किया गया। इवेंट के दौरान रनर्स ने 21 किलोमीटर, 10 किलोमीटर और 5 किलोमीटर की कैटेगरी में दौड़ पूरी की। इस मेगा इवेंट का आयोजन त्रिमूर्ति बिल्डर्स और जयपुर रनर्स क्लब द्वारा किया गया, साथ ही जीसीएल द्वारा सह-प्रायोजित और बियानी कॉलेज द्वारा प्रायोजित किया गया। मैराथन के दौरान अपने रास्ते में विभिन्न पौधों के बीजों को गिराते हुए अपने आस-पास हरियाली रखने व पर्यावरण को संरक्षित करने का संदेश दिया। जयपुर रनर्स क्लब के को फाउंडर मुकेश मिश्रा ने कहा कि हम उम्मीद करते हैं कि जयपुर रनर्स क्लब सभी लोगो को अपने स्वास्थ्य के लिए सजग रहने के लिए प्रेरित करता रहेगा और फ्रेंडशिप विद हेल्थ के उद्देश्य के साथ आगे बढ़ता रहेगा। प्रवीण तिजारिया, अध्यक्ष और कार्यकारी अध्यक्ष दीपक शर्मा बागड़ा ने बताया दौड़ के दौरान सफाई का खास ध्यान रखा गया। रनर्स ने जॉग करते हुए प्लॉगिंग भी की जिससे आस पास सफाई रखने का भी मैसेज दिया गया।

लोहागढ़ रिसॉर्ट से शुरू होकर छापरड़ी गांव होते हुए पूरी की दौड़

फिट योग से अरविंद सिंह ने जुंबा डांस के साथ वार्म अप कराकर कार्यक्रम की शुरूआत कराई। सबसे पहले 21 किमी की दौड़ के लिए फ्लैग ऑफ किया गया उसके बाद रनर्स 10 और 5 किमी की कैटेगरी की दौड़ के लिए रवाना हुए। त्रिमूर्ति मानसून रन लोहागढ़ फोर्ट रिसोर्ट से शुरू हुई और छापरड़ी गांव

की ओर जाते हुए प्रतिभागी इसी मार्ग से वापस लोहागढ़ कुकस लौटे जहां दौड़ फिनिश करने पर प्रतिभागियों को मेडल और छाता गिफ्ट दिया गया। साथ ही सभी प्रतिभागियों के लिए रिफ्रेशमेंट की सुविधा आयोजित की गई।

रनर्स ने रास्ते में गिराए विभिन्न पौधों के बीज

जयपुर रनर्स के सचिव निपुन वाधवा , कार्यक्रम समन्वयक अंकित तिवारी ने आयोजन की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि रनिंग के इस कार्यक्रम का उद्देश्य लोगो को फिटनेस के प्रति जागरूक करना रहा जिससे वह फिट रहकर अपने जीवन को सुचारू ढंग से जीना सीख सकें। इनके अलावा कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भावना और आस्था ने अपनी भूमिका निभाई। रनर्स ने मैराथन के दौरान अपने रास्ते में विभिन्न तरह के बीजों को गिराया जिसमें जामुन, नीम आदि शामिल रहे। इसके माध्यम से अपने आस-पास हरियाली रखने व पर्यावरण को संरक्षित करने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में शहर के विभिन्न हिस्सों से लोग शामिल रहे। इवेंट के दौरान अभिषेक मिश्रा, डायरेक्टर, त्रिमूर्ती बिल्डर्स, संजय बियानी, डायरेक्टर, बियानी ग्रुप ऑफ कॉलेज, रवि सिंघल, डायरेक्टर, जीसीएल ग्रुप, विकास जैन, एमडी, आईएनए सोलर, अंशुल जैन, एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर, जयपुर रनर्स, मेजर आलोक राज, चेयरमैन, स्टाफ सर्विस कमीशन, सुशील कुल्हारी, जॉइंट कमिश्नर, इनकम टैक्स और डॉ साधना आर्य ने फ्लैग ऑफ करके मैराथन की शुरूआत की। इस आयोजन को करने के लिए आयोजन समिति का गठन किया गया। बीआईबी टीम के सदस्य डॉ. प्रवीण मक्केर, रचना, अंकित, दिनेश भवानी, दिनेश चौधरी, रोहन, दिनेश सोनी, मोनिका, पूजा भार्गव, राजेश, रूपेंद्र और भावना रही। रिफ्रेशमेंट टीम में आशा (टीम लीडर), सुनील गौड़, उमेश सैनी, रेनूका जोशी, राकेश विजय, और निशांत स्वामी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मेडल और स्टेज टीम में लीडर अंकित तिवारी, रचना, नरेंद्र, रेनूका, पूजा शर्मा, रेखा और स्मिथ शामिल थे। रूट टीम में अंकित गुप्ता, प्रदीप और आर्यन मिश्रा ने अहम भूमिका निभाई। सोशल मीडिया टीम में रितिका, डॉ. प्रवीण मक्केर और नितिका ने योगदान दिया, जबकि प्लॉगिंग टीम में राजेश ने कार्यक्रम को सफल बनाने में ज़िम्मेदारी निभाई।

वेद ज्ञान

इंसान और समस्या

हमने लोगों को जीवन में आने वाली समस्याओं से अक्सर यह कहकर जूझते देखा है कि वे जल्दी से जल्दी सभी समस्याओं से मुक्त होकर जीना चाहते हैं। समस्याओं से संघर्ष की यह आशावादी दास्तान है तो ठीक, क्योंकि एक तो यह लड़ने का हौसला बनाए रखती है और दूसरे यह इंसान को समस्यामुक्त भविष्य के सपने देखने देती है। इस दृष्टिकोण के चलते इंसान जीवन में न तो थकता है और न ही हार मानता है, वह हर समस्या को अंतिम मानकर पूरी शिद्दत से लड़ रहा होता है। एक दूसरा नजरिया भी है जो मानकर चलता है कि जब तक जीवन है तब तक समस्या और संघर्ष हैं, इसलिए ऐसी कल्पना करना ही अव्यवहारिक है कि एक न एक दिन इंसानी जीवन परेशानियों से पूर्णतः मुक्त हो जाएगा। जीवन में समस्याओं को इंसानी शरीर से तुलना करके समझा जा सकता है। इंसान के शरीर में कुछ न कुछ अप्रिय हर समय घट रहा होता है। ऐसा शायद ही कोई समय हो, जब इंसान के शरीर में कोई व्याधि न हो। किसी न किसी प्रकार की छोटी या बड़ी व्याधि इंसानी शरीर में होना आम बात है। व्याधियों से जूझते इंसान के मन में यह आना स्वाभाविक होता है कि अमुक व्याधि आखिरी है और इसके बाद शरीर पूरी तरह व्याधिरहित हो जाएगा। ऐसी भावना इंसान का हौसला तो बढ़ाती है, लेकिन एक के बाद दूसरी व्याधि या समस्या के आने से उसे झटका भी देती है, जो कि सिर्फ हमारी समझ के कारण होता है। हम जीवन में यह समझ कर चल रहे होते हैं कि आखिरकार एक समय व्याधि या समस्यारहित आएगा, जो कि आता नहीं है। यह तो इंसान का हौसला बनाए रखने का एक सांसरिक तरीका भर है। इसलिए इंसान को अपने दिल और दिमाग में यह बैठाकर रखना चाहिए कि व्याधियों और समस्याओं का आवागमन जीवन भर चलता रहेगा, उसे तो बस उनसे जूझने की इच्छाशक्ति दृढ़ रखने की जरूरत है। अब जब इंसान मानसिक तौर पर तैयार होकर बैठ ही गया है किसी भी व्याधि या समस्या से निपटने के लिए तो एक तो उसे नई समस्या या व्याधि के आने से कोई झटका नहीं लगेगा और दूसरे हो सकता है कि उसकी इस आत्मविश्वास रूपी तैयारी के चलते कोई परेशानी उसके जीवन में आए ही नहीं, जैसे कि चोर संतरी को मुस्तैद देखकर उस घर में घुसने की हिमाकत ही न करे।

संपादकीय

प्राणघातक है लापरवाही...

देश की राजधानी होने के नाते उम्मीद की जाती है कि दिल्ली में सरकार और स्थानीय प्रशासन बाकी जगहों के मुकाबले ज्यादा चौकस तरीके से कामकाज करते होंगे। नागरिक निकायों के अधिकारी-कर्मचारी अपने दायित्वों को लेकर अधिक सजग रहते होंगे। मगर पिछले कुछ समय से दिल्ली के अलग-अलग इलाकों में हुए हादसों और उसमें लोगों के मारे जाने की घटनाओं से ऐसा लगता है कि संबंधित महकमों को इस बात की फिक्र

कतई नहीं है कि उनकी लापरवाही का खामियाजा किन्हें उठाना पड़ता है। इस लापरवाही को क्या कहें कि दिल्ली में गाजीपुर के एक निमार्णाधीन नाले को इस जोखिम के बावजूद खुला छोड़ दिया गया था कि बरसात ज्यादा होने और चारों तरफ पानी भर जाने के बाद यह पता चलना संभव नहीं रहा कि नाला कहां है और रास्ता कहां है। उसमें कोई भी गिर सकता था। हुआ भी यही कि किसी काम से बाहर निकली एक मां अपने ढाई वर्ष के बच्चे के साथ खुले नाले में गिर गई और उसमें डूब कर दोनों की मौत हो गई। ऐसे हादसे की आशंका पहले से थी, मगर दिल्ली विकास प्राधिकरण की ओर से उस जगह पर चेतावनी के संकेतक लगाना जरूरी नहीं समझा गया। करीब पंद्रह फुट गहरे उस गड्ढे के जोखिम का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि उसमें गिरने के बाद किसी के लिए भी जान बचाना मुश्किल था।

सवाल है कि इस तरह के खतरे के बावजूद वहां कोई भी सुरक्षात्मक उपाय करना जरूरी क्यों नहीं समझा गया। लगता है कि दिल्ली सहित समूचे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में हर जगह किसी न किसी रूप में जोखिम मौजूद है और उससे बचना लोगों के ऊपर ही छोड़ दिया गया है। बुधवार की शाम को हुई भारी बारिश के बाद दिल्ली और गुरुग्राम में छह लोगों की मौत करंट लगने से हो गई। बिजली के खंभों पर तार इस कदर बिखरे हुए थे कि मामूली गफलत की वजह से कोई भी उनके संपर्क में आ सकता था। कहीं घरों में पानी घुस जा रहा है और वहां भी जान जाने का खतरा बना रहता है। इन सबके लिए किसकी जिम्मेदारी तय की जाएगी? -**राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

प्रकृति की सजा

नयनाभिराम प्राकृतिक संपदा और बहुआयामी जल-संसाधनों के कारण केरल को उत्तराखंड की तरह भगवान का घर माना जाता है किंतु मूसलाधार बारिश और भूस्खलन हिमालय से लेकर केरल तक तबाही के कारण बन रहे हैं। सुदूर दक्षिण राज्य केरल में प्रकृति ने रौद्र रूप दिखाया और भूस्खलन एवं चेरियाल नदी के जलभराव क्षेत्र में बसे चाय बागान मजदूरों के चार गांवों ने मिट्टी के मलबे में जल समाधि ले ली। चेरियाल नदी पहाड़ों से निकलती हुई समतल भूमि पर चार दिनों से चल रही बारिश के कारण अत्यंत तेज गति से बही। इसी समय पहाड़ जल के प्रवाह से बह पड़े और पत्थरों व मलबे से चूरलमाला, अट्टामाला, नूलपुझा और मुंडक्कई मलबे में पूरी तरह दब गए। जल की रफ्तार में हजारों पेड़, सैकड़ों वाहन भी जड़ों से उखड़ कर ग्रामों की ओर बहते चले आए। करीब 2200 की आबादी के 400 से ज्यादा घर कुछ पलों में मिट्टी के ढेर में बदल गए। यह पूरा इलाका पहाड़ी क्षेत्र होने के कारण भूस्खलन प्रभावित क्षेत्र माना जाता है। केरल में केदारनाथ की तरह जो जल तांडव आया, उसने तय कर दिया है कि यह आपदा भगवान की देन न होकर मानव निर्मित है। पर्यावरणविद् ने भी इस बाढ़ को मानव निर्मित आपदा करार दिया है। कारण, बड़ी मात्रा में जंगलों की कटाई और पर्यटन में वृद्धि। चेरियाल बाढ़ क्षेत्र की जीवनदायिनी नदी मानी जाती रही है, लेकिन वही आधुनिक विकास के चलते मौत का सबब बन गई। कृषि प्रधान इस इलाके में चाय के अलावा नारियल, केला, मसाले और शुष्क मेवा की फसलें भी खूब होती हैं। पर्यटन भी राज्य की आमदनी व रोजगार का मुख्य स्रोत है। आय के ये सभी संसाधन प्राकृतिक हैं। गोया, प्रकृति का इस तरह से रूठ जाना आर्थिक रूप से खस्ताहाल केरल पर लंबे समय से भारी पड़ रहा है क्योंकि इसके पहले बरसात में ही केरल के 80 बांधों में से 36 बांधों के दरवाजे एकाएक खोल दिए गए थे। बांधों से निकले पानी ने बड़ी तबाही मचाई थी। यह तबाही पूरी तरह मानवीय भूल थी, लेकिन सिंचाई विभाग के किसी नौकरपाह की जवाबदेही तय करके दंड दिया गया हो, ऐसा देखने में नहीं आया। केदारनाथ, अमरनाथ, हिमाचल और कश्मीर के जल प्रलय से हमने कोई सीख नहीं ली। गोया वहां रोज बादल फट रहे हैं, पहाड़ के पहाड़ ढह रहे हैं। हिमाचल, असम और उत्तर प्रदेश में भी बारिश आफत बनी हुई है। बावजूद न तो हम शहरीकरण, औद्योगीकरण, तकनीकीकरण और तथाकथित आधुनिक विकास से जुड़ी नीतियां बदलने को तैयार हैं, और न ही ऐसे उपाय करने को प्रतिबद्ध हैं, जिनसे ग्रामीण आबादी शहरों की ओर पलायन करने को मजबूर न हो? शहरों में यह बढ़ती आबादी मुसीबत का पर्याय बन गई है। नतीजतन, प्राकृतिक आपदाएं भयावह होती जा रही हैं। सूरत, चेन्नई, बैगलुरू, गुड़गांव ऐसे उदाहरण हैं, जो स्मार्ट सिटी होने के बावजूद बाढ़ की चपेट में रहे। यहां कई दिनों तक जनजीवन ठप रहा। बारिश का 90 प्रतिशत पानी तबाही मचाकर अपना खेल खेलता हुआ समुद्र में समा जाता है। यह संपत्ति की बरबादी तो करता ही है, खेतों की उपजाऊ मिट्टी भी बहाकर समुद्र में ले जाता है। देश हर तरह की तकनीक में पारंगत होने का दावा करता है, लेकिन जब हम बाढ़ की त्रासदी झेलते हैं, तो ज्यादातर लोग अपने बूते ही पानी में जान व सामान बचाते नजर आते हैं।

बरसात का जल संगठित करने से अमृत तुल्य बन जाता है: मुनि श्री विनय सागर जी

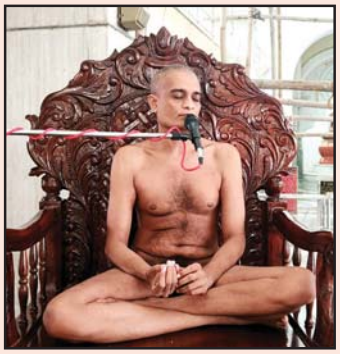

सोनल जैन. शाबाश इंडिया

भिंड। जीर्णोद्वारक संत, प्रशांत मूर्ति श्रमण मुनि श्री विनय सागर जी गुरुदेव के ससंघ का पुण्य शुद्धि वर्धक वषायोग भिंड के लश्कर रोड स्थित श्री 1008 महावीर कीर्तिस्तंभ मंदिर में चल रहा है, श्री 1008 महावीर कीर्तिस्तंभ जैन मंदिर पर सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान में आयोजित 35 दिवसीय णमोकर जिनस्तुति विधान अनुष्ठान का आयोजन किया गया जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने णमोकर महामंत्र की पूजा अर्चना की। श्रद्धालुओं ने अनुष्ठान में श्रीजी के अभिषेक करके शांतिधारा की एवं आचार्य श्री एवम् मुनि श्री विनय सागर महाराज की संगीतमय पूजन कर श्री फल अर्ध्य चढ़ाकर पूजा अर्चना की। मुनि श्री ने कहा कि जैसे बरसात का जल संगठित करने से अमृत तुल्य बन जाता है, वैसे ही धर्म को अंतरंग में सही तरीके से उतारने से और उसका पालन करने से जीव हमेशा शत मार्ग पर चलता हुआ अपना मोक्ष मार्ग प्रशस्त कर सकता है। पुण्य शुद्धि वर्धक वषायोग के नियमित कार्यक्रम श्रृंखला के तहत प्रतिदिन सुबह 6.30 विधान में श्रीजी का अभिषेक शांतिधारा, सुबह 07.00 बजे णमोकर पैतिसी विधान प्रारंभ, सुबह 10.00 बजे दैनिक प्रवचन, सुबह 10.30बजे आहार चर्या, दोपहर 3 बजे शास्त्र स्वाध्याय चर्चा, शाम 6.30 बजे णमोकर चालीसा बाद गुरू भक्ति एवं आरती का आयोजन रहा है।

महावीर इंटरनेशनल अजमेर जोन अध्यक्ष का हुआ कुचामन आगमन

कुचामन सीटी. शाबाश इंडिया। महावीर इंटरनेशनल कुचामन संस्था के स्वर्णिम वर्ष के उपलक्ष्य मे सस्था द्वारा इस वर्ष मे आयोजित होने वाले सेवाकार्यों के बारे मै विस्तृत चर्चा करने हेतू अजमेर जोन के चैयरमेन वीर अशोक कुमार गदीया कोषाध्यक्ष वीर विनय कुमार जैन संस्था मुख्य ट्रस्टी वीर पदमचन्द जैन व वरिष्ठ सदस्य मनोहर गोपाल ईनाणि कुचामन पधारने पर संस्था की प्रेरणा से निर्मित जल मन्दिर स्व हरदेवाराम जी तालापा के पुण्य समृति मे वीर रतनलाल मेघवाल परिवार द्वारा पी एम,श्री जवाहर हायर सेकंडरी स्कुल मे बच्चो को पानी पीने की सुविधा हेतु निर्मित्त भव्य जल मन्दिर का अवलोकन कर तालापा परिवार की भूरी भुरी प्रशंसा की पश्चात वीर वीरा युथ परिवार के साथ जैन स्कूल पलटन गेट पर विशेष मीटिंग का आयोजन किया। वीर पदमचन्द जैन व अशोक कुमार गदीया ने संस्था के स्वर्णिम वर्ष पर जीवौ और जीनेदो सबको प्यार सबकी सेवा के उद्देश्य पर सभी वीर साथियो को जीवदया, मानव सेवा, पर्यावरण महिला सशक्तिकरण स्वलबन व स्वस्थ बच्चा स्वस्थ जच्चा कपडे की थैली मेंरी सहेली संस्था के स्थाई प्रोजेक्ट पर प्रमुखता से कार्य करने का आवाहन किया साथ ही संस्था के सदस्यों व M IF मेम्बर की बढोतरी हेतू निवेदन किया। वीर सचिव अजित पहाड़िया , कोषाध्यक्ष वीर सुरेश जैन, वीर सम्पत बगडीया, वीर अशोक गगंवाल, वीर सोहनलाल वर्मा, वीर तेजकुमार बड़जात्या, वीर रतनलाल मेघवाल वीर अशोक अजमेरा वीर संदीप पाडंया , वी प्रदीप गगंवाल वीरा अध्यक्ष सरोज पाटनी वीरा सचिव शारदा वर्मा, वीरा कोषाध्यक्ष वीरा मंजू बडजात्या ,वीरा अनिता काला वीरा सुनिता वीरा कोमल गगंवाल ने सभी सेवाकार्यों मे सहयोग का आश्वासन। **रिपोर्ट : वीर सुभाष पहाड़िया**

रत्नत्रय ग्रुप द्वारा 151 वे अभिषेक पर आचार्य श्री को 'युगसंत' अलंकरण

समय, जीवन में अनेकों सौगातें लेकर आता है: आचार्य श्री विमर्श सागर जी

सोनल जैन. शाबाश इंडिया

नई दिल्ली। श्री महावीर दिगम्बर जैन मंदिर कृष्णानगर दिल्ली में चातुर्मास के लिये पधारे परम पूज्यनीय जिनागम पंथ प्रवर्तक, जीवन है पानी की बूँद (महाकाव्य) के मूलरचयिता भावलिंगी संत श्रमणाचार्य श्री 108 विमर्शसागर जी महामुनिराज का ऐतिहासिक चातुर्मास पूरी दिल्ली में चर्चा का विषय बना हुआ है। प्रतिदिन प्रातः 7:45 से धर्मसभा का आयोजन होता है। परम पूज्य भावलिंगी संत श्रमणाचार्य श्री विमर्श सागर जी मुनिराज ने धर्म सभा में भक्तामर महिमा पर व्याख्यान करते हुये कहा- समय हमारे जीवन में अनेकों सौगातें लेकर आता है। कोई अपने पुरुषार्थ से सांभात को सोभाग्य में बदल लेता है और कोई अपने पुरुषार्थ से सोगात को दुर्भाग्य में परिवर्तित कर लेता है। आचार्य मानतुंग स्वामी दिगम्बर

जैन संत परम्परा के एक महान साधकु थे। उन महान आचार्य की जब राजा भोज मे कुपित हो 48 काल मोठरियों में कैद कर दिया तो सारी दुनिया ने एक स्वर में कहा कि ये बड़ी दुभाग्य भी बात है। पर कभी कभी दुर्भाग्य के क्षणों में, दुख, पीड़ा के काल में' भी सोभाग्य छिपा होता है भोर कभी कभी सुख और आनंद की क्षणों में भी दुर्भाग्य छिया होता है। आचार्य मानतुंग स्वामी को काल कोठरी में बंद कर दिया गया, आचार्य भगवन ने उन उस की घड़ियों की भी सौभाग्य में बदल दिया। समय को बदलने का हुनर हमारे अंदर होना चाहिये। समय अच्छा या बुरा नहीं होता, व्यक्ति का चिन्तन ही अच्छा या बुरा होता है, आप सुबह उठते हैं और उठते ही भापको यदि शुरू की याद भाती है आपके चिन्तन में अगर सद्गुरु अति हैं तो आपका समय, सौभाग्य बन रहा है और यदि सुबह उठते ही आपके संसार, शरीर और भोग आपके चिन्तन के विषय बनते हैं तो भापका समय दुर्भाग्य बन रहा है। कर्म कभी समय को अच्छा तो कभी बुरा बनाने का प्रयास करता है। लेकिन जिनभक्ति ऐसा भस्न है जिसके सामने कर्म भी शक्ति क्षीण हो जाती है। रत्नत्रय ग्रुप द्वारा गुरूदेव कभी युगसंत अलंकरण भेट रत्नत्रय अभिषेक ग्रुप दिल्ली को 151 वा अभिषेक भावलिंगी संत के सानिध्य में हुआ । गुरुदेव का पाद पक्षालन, शास्त्र भेंट कर गुरु पूजन हुआ। आचार्य श्री विमर्श सागर जी को रत्नत्रय ग्रुप द्वारा युगसंत अलंकरण भेट किया गया, आज का पुण्यार्जक परिवार प्रेम चंद गौरव सौरव जैन थे।

आचार्य श्री प्रज्ञा सागर महाराज की प्रेरणा से हरियाली अमावस्या के अवसर पर किया पौधारोपण

सौरभ जैन. शाबाश इंडिया

पिड़ावा। तपोभूमि प्रणेता व पर्यावरण हितेषी आचार्य श्री 108 प्रज्ञा सागर महाराज की प्रेरणा व हमारा लक्ष्य एक करोड़ वृक्ष मिशन के तहत हरियाली अमावस्या के पावन अवसर पर खेजडिया मार्ग स्थित ब्रह्मानंद सागर नसिया में जैन आर्यंस वेलफेयर एंड एजुकेशन सोसायटी व जैन आर्यन्स ग्रुप के तत्वावधान में पौधरोपण किया गया। ब्रह्मानंद सागर नसिया में नीम, पीपल, आम के पौधों का रोपण किया गया। वह इनको सहजने का संकल्प लिया गया। इस दौरान पलकेश जैन, सौरभ जैन, जीवेश जैन सोनू सहित अन्य सोसायटी के सदस्य उपस्थित रहे।

हरियाली अमावस्या एवं मित्रता दिवस पर महावीर इंटरनेशनल शाखा द्वारा वृक्षारोपण

सुरेश चंद्र गांधी. शाबाश इंडिया

नौगामा जिला बांसवाड़ा। सब की सेवा सबको प्यार महावीर इंटरनेशनल शाखा नौगामा द्वारा आज हरियाली अमावस्या एवं मित्रता दिवस पर सुखोदय तीर्थ नसिया जी में महावीर इंटरनेशनल शाखा के अध्यक्ष सुरेश चंद्र गांधी कोषाध्यक्ष मोहनलाल पंचोली वीरा विमला पंचोली, शाखा के वीर सदस्य दिनेश चरपोटा बांसवाड़ा से पधारे निखिलेश जैन जैन समाज कोषाध्यक्ष रमणलाल जैन नसिया क्षेत्र के मैनेजर महेंद्रजैन वीर सदस्य सुरेश व्यास वीर जगजी भाई कटारा जैन पाठशाला के छात्र के सानिध्य में नसिया परिसर में विभिन्न वृक्षो का वृक्षारोपण किया गया इस अवसर पर महावीर इंटरनेशनल अध्यक्ष सुरेश चंद्र गांधी ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी शाखा द्वारा अनेक सार्वजनिक स्थानों पर वृक्षारोपण किया जा रहा है वृक्षारोपण से संपूर्ण क्षेत्र में हरियाली का वातावरण बना हुआ है एवं पर्यावरण शुद्ध बने इस हेतु शाखा द्वारा कार्य किया जा रहे हैं इस अवसर पर बताया कि 17 अगस्त को महावीर इंटरनेशनल अपेक्स की दिशा निर्देशानुसार संपूर्ण भारत वर्ष में पर्यावरण बचाने सिंगल युज प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने एवं अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने हेतु विद्यालय के छात्रों के माध्यम से रैली का आयोजन किया जा रहा है इस अवसर पर वीर सदस्य दिनेश चरपोटा ने पधारे हुए सभी वीर सदस्यों का एवं यात्रियों का शब्द सुमन से आभार प्रकट किया एवं कहां की महावीर इंटरनेशनल शाखा नौगामा द्वारा वर्ष पर्यंत सेवा कार्य किया जा रहे हैं इसी के तहत आज हरियाली अमावस्या एवं मित्रता दिवस के उपलक्ष में शाखा द्वारा वृक्षारोपण किया जा रहा है।

महावीराचार्य पुरस्कार प्रोफेसर पद्मावथम्मा को प्रदान किया जाएगा

इंदौर. शाबाश इंडिया। जैन गणित के क्षेत्र में उत्कृष्ट शोध कार्य हेतु त्रिलोक शोध संस्थान हस्तिनापुर (मेरठ) द्वारा प्रतिवर्ष प्रदान किए जाने वाला प्रतिष्ठित 'महावीराचार्य पुरस्कार' 2024 इस वर्ष प्रख्यात गणितज्ञ एवं मैसूर विश्व विद्यालय मैसूर की पूर्व प्राध्यापक 'प्रोफेसर पद्मावथम्मा' को प्रदान किया जाएगा। पुरस्कार के प्रायोजक एवं संयोजक प्रोफेसर डॉक्टर अनुपम जैन इंदौर ने बताया कि इस पुरस्कार के अंतर्गत ₹51000की राशि के साथ शाल ,श्रीफल, एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाएगा। विगत वर्षों में इस पुरस्कार से पद्मश्री प्रोफेसर आर सी गुप्त झांसी, प्रोफेसर एस सी अग्रवाल मेरठ एवं प्रोफेसर एस के बंडी इंदौर को सम्मानित किया जा चुका है। डॉक्टर जैन ने बताया कि पुरस्कार समर्पण समारोह परम पूज्य गणिनी प्रमुखआर्यिकाश्री ज्ञानमती माताजी के ससंघ सानिध्य में श्री ऋषभदेव दिगंबर जैन तीर्थ बड़ी मूर्ति रायगंज अयोध्या में 1 सितंबर को आयोजित समारोह में प्रदान किया जाएगा।

-राजेश जैन दद्दू धर्म समाज प्रचारक

झोटवाड़ा जैन समाज का दल धार्मिक यात्रा पर रवाना

जयपुर. शाबाश इंडिया। झोटवाड़ा जैन समाज के दंपत्ति सदस्यो का एक दल सोनागिरी जी गोलकोट यात्रा के लिए शुक्रवार दिनांक 02 अगस्त 2024 को रवाना हुआ। इस दल में राजीव अनिला पाटनी, महेंद्र नीलम पाटनी, सुरेश ममता ठोलिया, सुनील सुमन लुहाड़िया, पवन संगीता बाकलीवाल,मुकेश संतोष ठोलिया, विनोद मोनिका ठोलिया, विजय सुनीता काला ने सर्वप्रथम सोनागिरी जी की वंदना करते हुए गिरी पर्वत पर अभिषेक शांतिधारा कर पुण्य लाभ अर्जन किया। इसके बाद गोलकोट के लिए प्रस्थान किया और नगरा, करगुआ, झांसी में क्षमामूर्ति आचार्य श्री 108 विशदसागर जी महामुनिराज ससंघ के दर्शन का लाभ लिया, उसके बाद सांयकाल में गोलकोट में पहुंचकर मूलनायक आदिनाथ भगवान के दर्शन एवम महाआरती कर पुण्य संचित किया। प्रातः सभी सदस्यो ने गोलकोट जिनालय में अभिषेक पूजन किया, वहां के प्राकृतिक एवम हरियाली से परिपूर्ण परिदृश्य में सभी ने नौकाविहार का आनंद लिया। गोलकोट से वापसी में पचराई स्थित जिनालय के दर्शन किए, ग्वालियर में स्वर्ण मंदिर, गोपांचल पर्वत, एवम ज्ञान तीर्थ के दर्शन कर सभी की यात्रा कुशलता पूर्वक पूर्ण हुई।

राजधर्म का पालन लोकतन्त्र मे उतना ही जरुरी जितना कि राजतन्त्र में: डॉ. नरेन्द्र कुसुम

साम्प्रदायिक तनाव, हिंसा और समाधान विषय पर मुक्त मंच की गोष्ठी

जयपुर. शाबाश इंडिया

मुक्त-मंच की 86वीं मासिक संगोष्ठी ''साम्प्रदायिक तनाव, हिंसा और समाधान'' विषय पर परमहंस योगिनी डॉ. पुष्पलता गर्ग के सान्निध्य और भाषाविज्ञ डॉ. नरेन्द्र शर्मा 'कुसुम' की अध्यक्षता में योग साधना आश्रम में सम्पन्न हुई। आईएएस (से.नि.) अरुण ओझा मुख्य अतिथि थे और 'शब्द संसार' के अध्यक्ष श्रीकृष्ण शर्मा ने संयोजन किया। अध्यक्ष डॉ. नरेन्द्र शर्मा कुसम' ने कहा कि राजनीति का जन्म हिंसा के साथ ही हुआ था क्योंकि मनुष्य सभ्यता और संस्कृति में प्रविष्ट हुआ तो हिंसा की प्रवृति के बीज लेकर आई। जब राजतन्त्र का उदय हुआ तो विभिन्न कारणों से हिंसा होने लगी। आज के लोकतन्त्र की हिंसाएँ कुछ अलग कारणों से हो रही हैं। उन्होंने कहा कि राजनीति का उद्देश्य लोक मंगल होता है ।राजधर्म का पालन लोकतन्त्र मे उतना ही जरुरी है जितना कि राजतन्त्र में। अहिंसा से हिंसा का प्रतिकार,अध्यात्म से हिंसा का प्रतिकार एक दीर्घकालीन प्रक्रिया है। पूर्व बैंकर इन्द्र भंसाली ने कहा कि साम्प्रदायिक हिंसा का कारण एक दूसरे से डर है और जब इसका तनाव प्रखर होता है तब साम्प्रदायिक हिंसा का कारण बनता है ।परस्पर अविश्वास, घृणा, नफरत तथा असुरक्षा को जन्म देता है । अंग्रेजो ने फूट डालो राज करो नीति और अत्याधुनिक हथियारों का लाभ जंग जीती ।अंग्रेजों ने भारतीय संस्कृति को नष्ट करने की पटकथा अंग्रेजों ने लिखी। ऐसे में इस पर अंकुश लगाने के लिए जरूरी है कि आज जो लोग उतेजना और नफरत फैलाते हैं, उसका तुरन्त संज्ञान लेकर उन पर कठोरतम कार्यवाही की जाए। प्रतिष्ठ स्तम्भकार ललित अकिंचन ने कविता के माध्यम से कहा किः तू भी है इनसान, मै भी हूँ इनसान खुदा तू भी नहीं, खुदा मैं भी नहीं तू मुझे और मै तुझे दोष देते हैं पर अन्दर झाँकता तू भी नहीं, मै भी नहीं। गलत फहमियों ने पैदा कर दी दोनों मे दूरियां, वरना आदमी बुरा तू भी नहीं, मै भी नहीं। वरिष्ठ अधिवक्ता सावित्री रायजादा ने कहा कि वैश्विक स्तर पर नफरत, प्रतिशोध के कारण हिंसक युद्ध हो रहे हैं ।शालिनी शर्मा ने कहा कि विश्व के सभी धर्मगुरुओं नेअपने उपदेश मे प्रेम को सर्वोपरि माना है पर वे नैतिक ऊँचाइयों को बनाए रखने मे सफल नहीं हुए। इसीलिये विश्व में बडे पैमाने पर सांप्रदायिक तनाव और सार्वभौमिक अनिश्चयता एवं भय का वातावरण निर्मित होता जा रहा है। मनुष्य को मन की नकारात्मकता से खुद को आजाद करना होगा। पूर्व मुख्य अभियन्ता एवं प्रखर वक्ता दामोदर चिरानिया ने कहा कि हमारा समाज ही नहीं, विश्व का सम्पूर्ण समाज करीब-करीब विभिन्न समुदायों मे बंटा हुआ है, चाहे क्षेत्र, रंग, जाति , धर्म, लिंग या सोच हो। दुनिया मे पिछले 110 दस सालों में शक्ति प्रदर्शन के कारण दो विश्व-युद्ध हुए। मुख्य अतिथि अरुण ओझा ने कहा कि भारत एक बहुधार्मिक बहुलवादी देश है जहाँ संविधान हर नागरिक को अपनी प्सन्द के धर्म का पालन करने का अधिकार देता है। इसीलिए यहाँ विभिन्न धर्मो के लोग बडे सद्भाव के साथ रहते हैं। इतिहास विद कहते हैं कि विश्व के सभी धर्म या सम्प्रदायों के संस्थापक और धर्मगुरुओं ने प्रेम और सद्भावना को ही सर्वोच्च माना है। अपने संयोजकीय वक्तव्य में 'शब्द संसार' के अध्यक्ष श्रीकृष्ण शर्मा ने कहा कि 2047 में हम भारत की स्वतन्त्रता की शताब्दी मना रहे होंगे तब भारत को विकसित भारत के रुप में देखना चाहेंगे जिसमे समानता, समता, बन्धुता हो, पर जैसी परिस्थितियाँ दिखाई दे रही हैं। इसके बावजूद हमें कभी कभी कुछ निराशा, हताशा का भान पैदा होता है । हमने इस दौर में घृणा और ईर्षा को वैश्विक स्तर पर कुलांचे भरते देखा है। आज युद्ध नहीं है तथापि जम्मू क्षेत्र में आए दिन रोज फौजी शहीदऔर नागरिक हताहत हो रहे हैं । कांवड यात्रा को लेकर तनाव बना हुआ है ।मणिपुर मे 5 मई 2023 से जातिय हिंसा जारी है। अब तक 221 लोग मारे गये, 6000 लोग विस्थापित हुए, गांव वीरान पडे हैं, महिलाओं के आजीविका के संसाधन समाप्त हो गए। ऐसे में साम्प्रदायिक सद्भाव परस्पर समता, समानता समय की आवश्यकता है। संगोष्ठी में आरसी जैन, फारूक आफरीदी, सुभाष गुप्ता,यशवंत कोठारी, डॉ. रमेश खण्डेलवाल, लोकेश शर्मा, अरुण ठाकर, तथा सुमनेश शर्मा ने भी विचार व्यक्त किए। **संकलन : फारूक आफरीदी**

दान देना एक पुण्य कर्म है, दान एवं पूजा श्रावक के मुख्य धर्म हैं: जैन संत आचार्य आर्जाव सागर माहराज

सौरभ जैन. शाबाश इंडिया

पिडावा। श्री सांवलिया पार्श्वनाथ अतिशय क्षेत्र दिगम्बर जैन बड़ा मंदिर पिड़ावा में पूज्य आचार्य 108 श्री आर्जव सागर महाराज ससंघ का 37 वां चातुर्मास बड़े ही हर्ष और उल्लास के साथ चल रहा है। जिनके साथ में पांच मुनिराज संघ में विराजमान है। जैन समाज प्रवक्ता मुकेश जैन चेलावत ने बताया कि आचार्य श्री के सानिध्य में प्रतिदिन ज्ञान की गंगा बह रही है।जिसमें श्रावक श्राविकाओं को पुण्य लाभ मिल रहा है। प्रातः गुरु भक्ति, प्रवचन, आहार चर्या, सामायिक, दोपहर में स्वाध्याय, शाम को गुरु भक्ति, जिज्ञासा समाधान, आरती, दीदी द्वारा भक्तामर की कक्षा, प्रवचन, वैयावृति आदि का लाभ मिल रहा है।रविवार को आचार्य श्री आर्जव सागर महाराज ने अपने प्रवचन में दान का बड़ा महत्व बतलाया है, उन्होंने बतलाया कि आगम में दान के भेदों की व्याख्या करते हुवे सामान्यतः आहार दान, औषध दान, ज्ञान दान, अभय दान इन चार प्रकार के दानों का वर्णन किया गया है। इस संदर्भ में जैनाचार्यों ने श्रावक जीवन में दान को आवश्यक ही नहीं अनिवार्य बतलाया है। दान एवं पूजा श्रावक के मुख्य धर्म है, उन्होंने बतलाया कि दान सदैव विधिपूर्वक ही देना चाहिए इसके लिए दाता को पात्र की योग्यता एवं उसकी आवश्यकता अवश्य देखनी चाहिए तीन प्रकार के पात्रों में उत्कृष्ट पात्र केवल मुनिराज ही है अतः उन्हें नवधा भक्तिपूर्वक आहार देना चाहिए। शेष मध्यम एवं जघन्य पात्रों को उनके योग्य आदर सत्कार देते हुवे दान देना चाहिए मुनियों को आहार दान देते समय की जाने वाली नवधा भक्ति के बारे में बताया कि पड़गाहन करना, उच्च स्थान पर बैठना, पाद पक्षालन करना ,पूजन करना, नमस्कार करना, मन शुद्धि, वचन शुद्धि, काय शुद्धि, आहार शुद्धि के साथ करना चाहिए। दान का उत्कृष्ट फल प्राप्त करने के लिए द्रव्य न्याय एवं नीति से उपार्जित होना चाहिए न्याय एवं नीति पूर्वक कमाये गये धन से कराये गये समस्त अनुष्ठान सातिशय से संपन्न होते हैं। जहां एक और ऐसे अनुष्ठानों से अतिशय पुण्य का आस्रव होता है वहीं दूसरी ओर मोक्ष मार्ग भी प्रशस्त होता है।

अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज के प्रवचन से ...

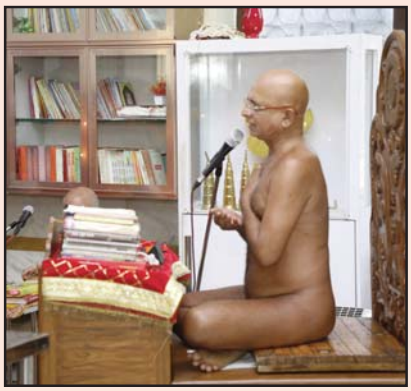

व्यक्ति दूसरों को सताकर, पीड़ा देकर उनके मार्ग को अभिरूद्ध कर सुख पाता है। सद्ज्ञान और मौन सदैव सर्जनात्मक और भविष्य लक्ष्मी होते हैं। जबकि क्रोध, कषाय एवं अज्ञान नितांत विध्वंसात्मक होते हैं। ज्ञानी और विवेकवान इन्सान स्वयं के साथ-साथ परहित और परमार्थ का कार्य करता है। जबकि अज्ञानी जीव स्वयं के साथ-साथ दूसरे के अनिष्ट हेतु कृत संकल्पित होता है। उसे चाह कर भी पुण्य का कार्य सुलभ नहीं होता है। ज्ञान विगत जन्मों की पुण्यों के संचित गुड़ धर्मों का प्रतिफल होता है, वहीं अज्ञान कृत पापों का छल-छलकता समूह। क्रोध के आते ही मनुष्य के जीवन से प्रेम, सुंदर सद्विचार, मधुर ललित अपना एवं आनंद जैसी श्रेष्ठ गुणधर्म सदा-

सदा के लिए उसका साथ छोड़ देते हैं। वहीं मौन के वृक्ष पर सुख, शान्ति, समृद्धि एवं आनंद के फल सदा-सदा के लिए उसका फल छोड़ देते हैं,, और क्रोध के वृक्ष पर विनाश एवं पश्चाताप के फल लगते हैं। यह हमें निश्चय करना है कि क्रोध के विध्वंस का मार्ग अपनाना है अथवा सृजन का हमारा यह एक चयन ही हमारे जीवन की दशा और दिशा को बदल देगा...!!! नरेंद्र अजमेरा, पियुष कासलीवाल औरंगाबाद ।

आत्म ज्ञानी -- जो सही, श्रेष्ठ और अच्छा हो, वही चाहेगा।
अहंकारी और घमंडी -- जो मुझे चाहिए, बस वही श्रेष्ठ है और मंगल भी।

क्रोध, कषाय, द्वेष और ईर्ष्या अज्ञान की परिणिति है, जबकि क्षमा, मौन और मधुर मुस्कान, विवेक, सद्ज्ञान और ध्यान का सु-परिणाम है। मौन और सद्ज्ञानी व्यक्ति दूसरे को सुख देकर स्वयं आनंदित होता है। वहीं अज्ञानी

हरियाली अमावस्या पर विभिन्न स्थानों पर किया औषधीय पौधों का रोपण

सनावद. शाबाश इंडिया। औषधीय पौधों, जड़ों और बेलों के उपयोग से हम कई असाध्य बीमारियों से छुटकारा पा सकते हैं। आज इन औषधियों का उपयोग करना व्यक्ति नहीं जानता तथा इन पौधों का अभाव पाया जाता है। समाजसेवी सलित जैन विभिन्न स्थानों पर गिलोय, गुरवेल, पारिजात हरसिंगार, अश्वगंधा, नागदोन, पत्थरचट्टा जैसी औषधीय पौधों का वर्षा ऋतु में रोपण कर लोगों को उनके उपयोग की जानकारी देकर जनोपयोगी कार्य कर रहे हैं। उपरोक्त विचार हरियाली अमावस्या तथा जड़ी बूटी दिवस पर गोकर्णेश्वर महादेव मंदिर, गोपाल गौशाला, बाहुबली तीर्थक्षेत्र पोदनपुरम, लाहोटी पार्क में औषधि पौधारोपण पर लोगों को उनके उपयोग की प्रेरणा देते हुए डॉ.नरेन्द्र जैन भारती ने व्यक्त किये। समाजसेवी राजेंद्र मंत्री ने बताया कि पत्थरचट्टा के उपयोग से पथरी व मूत्र रोग तथा नागदोन के उपयोग से फैट गैस, बदहजमी तथा रक्त प्रदर रोगों से पूर्ण लाभ मिलता है।

सलित जैन ने बताया कि धृतकुमारी, एलोवेरा से शरीर के तापमान को सामान रखने, जोड़ो तथा घुटने के दर्द, चेहरे पर निखार और गिलोय के उपयोग से डेंगूरोग, टाइफाइड ठीक होता है।

जैसवाल जैन सेवा न्यास द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

मनोज जैन नायक. शाबाश इंडिया

मधुवन, दिल्ली। अखिल भारतीय श्री दिगंबर जैसवाल जैन (उपरौचिया) सेवा न्यास द्वारा, सुनील मोना जेनरेटर के सौजन्य से तथा मेदांता मेडिसिटी एवं आरु क्लिनिक के स्पेशलिस्ट डॉक्टर की टीम द्वारा 3 अगस्त को सुबह 10 बजे से मोना ग्रैंड, मधुवन, दिल्ली में निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें हृदय रोग, श्वसन रोग, इंटरनल मेडिसिन, हड्डी रोग से संबंधित निशुल्क जांच एवं परामर्श दिया गया । शिविर में बीपी, शुगर की जांच, हड्डियों की जांच, फेफड़ों की जांच एवं एक्सरे की निशुल्क सुविधा प्रदान की गई। वहीं शिविर के उद्घाटन में सीए कमलेश जैन ने बताया कि ''पर हित सरस धर्म नहीं भाई'' पीड़ित मानवता की सेवा सबसे बड़ा धर्म है। सभी धर्मों में पीड़ित मानवता की सेवा को सबसे बड़ा धर्म बताया गया है। आज समाज का एक बहुत बड़ा तबका धनाभाव के कारण स्वास्थ्य सेवाओं से वंचित रह जाता है । इस तरह के कैंप में समाज के हर वर्ग के लोग अच्छे हॉस्पिटल्स के डॉक्टर्स के द्वारा स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ लेते हैं व स्वास्थ्य के प्रति जागरूक होते हैं । इन सभी लोगों को स्वास्थ्य लाभ दिलाकर दिल को बहुत ही सुकून मिलता है। इस शिविर में आरु क्लिनिक द्वारा निशुल्क परामर्श व दवाइयां वितरित की गई है जिसकी मैं हृदय से सराहना करता हूं। शिविर में सेवा न्यास के महामंत्री उअ कमलेश जैन, भाजपा की प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती लता गुप्ता, सुदीप जैन, सुनील जैन (मोना जेनरेटर), ओम प्रकाश जैन, अशोक कुमार जैन (वर्धमान जेनरेटर), स्यादवाद युवा क्लब के जिनेन्द्र जैन, सानू जैन उअ सौरभ जैन, र उ की बहुत बड़ी टीम व काफी गणमान्य महानुभाव उपस्थित रहे ।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

वितराग प्रभु की वाणी आत्मसात करने वाला प्राप्त कर सकता जीवन का परम लक्ष्य : आचार्य सुंदरसागर महाराज

शास्त्रीनगर हाउसिंग बोर्ड स्थित सुपार्श्वनाथ पार्क में वर्षायोग प्रवचन

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

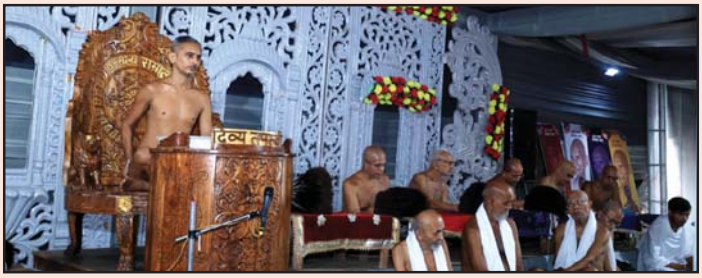

भीलवाड़ा। सच्चे मन से जो भगवान महावीर की वितराग वाणी का श्रवण कर उसे आत्मसात करता है वह जीवन के परम लक्ष्य को प्राप्त कर सकता है। मिथ्यात्व छोड़कर सम्यक भाव को सुधारना होगा। परिणाम, श्रद्धा व चारित्र आपका गुणस्थान निर्धारित करेगा। जीवन में मिथ्यात्व त्याग सत्य को अंगीकार करे। हमेशा याद रखे सत्य जीवन में परेशान हो सकता पर हार कभी नहीं सकता। जो सत्य मार्ग पर चलता है वह हर मुश्किल पार कर सफलता अवश्य हासिल करता है ओर सत्य जीवन में आनंद प्रदान करता है। जीवन में सत्य का आलंबन कभी नहीं छोड़ना चाहिए। ये विचार शहर के शास्त्रीनगर हाउसिंग बोर्ड स्थित सुपार्श्वनाथ पार्क में श्री महावीर दिगम्बर जैन सेवा समिति के तत्वावधान में चातुर्मासिक (वर्षायोग) प्रवचन के तहत रविवार को राष्ट्रीय संत दिगम्बर जैन आचार्य पूज्य सुंदरसागर महाराज ने व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि भगवान महावीर के बाद गौतम गणधर ने कुंदकुंद स्वामी को आत्मा का ज्ञान परोसा है। जीवन में किसी भी निग्रन्थ साधु को देखे तो समझे कि वितरागी आ गया है। अपने दोनों हाथ जोड़ णमो साहुणं कहने से श्रद्धा भाव व्यक्त होते है। आत्मकल्याण के लिए संत दर्शन जरूरी है। संतो के मुखारबिंद से सुनी जाने वाली जिनवाणी मोक्ष का मार्ग प्रशस्त करती है। इसलिए जब भी अवसर मिले जिनवाणी अवश्य श्रवण करनी चाहिए। आचार्यश्री ने कहा कि दुनिया आज मित्रता दिवस मना रही है पर सच्चा मित्र वहीं है जो वक्त आने पर आपका सारथी भी बन जाए। मित्रता की परीक्षा सुख में नहीं दुःख व संकट के समय होती है। जो संकट में हमारा साथ दे वहीं सच्चा मित्र है। इससे पूर्व प्रवचन में आर्यिका सुलक्ष्यमति माताजी ने कहा कि जिनवाणी ऐसी औषधि है जिसे प्राप्त कर मन की हर बीमारी का समाधान प्राप्त कर सकते है। संतो के पास आने से पहले कुतर्कों का घड़ा खाली करके आए ताकि वास्तविक ज्ञान को प्राप्त कर सके। ज्ञानी के पास ज्ञानी बनकर जाएंगे तो ज्ञान को प्राप्त नहीं कर पाएंगे। उन्होंने कहा कि जिनवाणी उनके लिए ही है जो इसे समझते है। दुर्लभ मानव तन मिला है तो जिनवाणी का लाभ अवश्य लेना चाहिए अन्यथा ये भव भी व्यर्थ हो जाएगा। श्री महावीर दिगम्बर जैन सेवा समिति के अध्यक्ष राकेश पाटनी ने बताया कि सभा में माणकचंद, पारसकुमार, वर्धमान बड़जात्या एवं पारस, सुधा, अमन,युवी वेद परिवार का चातुर्मास में मंगलकलश पुण्यार्जक बनने पर समाज द्वारा स्वागत अभिनंदन करते हुए इस पुनीत कार्य के लिए हार्दिक अनुमोदना की गई। मंगलाचरण की प्रस्तुति ज्ञानवी जैन, जिनय जैन एवं अनिल जैन ने दी। चित्र अनावरण व दीप प्रज्वलन के बाद पूज्य आचार्य गुरूवर का पाद प्रक्षालन कर उन्हें शास्त्र भेंट व अर्ध समपर्ण सागवाड़ा, बांसवाड़ा से आए अतिथियों ने किया। महावीर सेवा समिति द्वारा बाहर से पधारे अतिथियों का स्वागत किया गया। समिति के मीडिया प्रभारी भागचंद पाटनी ने बताया कि शाम को शंका समाधान, महाआरती व भक्ति संध्या का आयोजन किया गया। इसमें बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाएं शामिल हुए।

संघ एकता व समन्वय के रहे प्रेरक,गुणों से भरपुर आचार्य आनंदऋषिजी का जीवन : कंचनकंवरजी म.सा.

बापूनगर महावीर भवन में आचार्य सम्राट आंदनऋषिजी म.सा. की जयंति पर गुणानुवाद सभा का आयोजन

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। श्रमण संघीय द्वितीय पट्टधर आचार्य सम्राट पूज्य आनंदऋषिजी म.सा. की 125वीं जयंति के उपलक्ष्य में बापूनगर श्रीसंघ के तत्वावधान में दो दिवसीय आयोजन के तहत पहले दिन रविवार को श्रमण संघ के प्रथम युवाचार्य पूज्य श्री मिश्रीमलजी म.सा.'मधुकर' के प्रधान सुशिष्य उप प्रवर्तक पूज्य विनयमुनिजी म.सा.'भीम' की आज्ञानुवर्तिनी शासन प्रभाविका पूज्य महासाध्वी कंचनकुंवरजी म.सा. आदि ठाणा के सानिध्य में गुणानुवाद सभा का आयोजन महावीर भवन में किया गया। इसमें साध्वीवृन्द के साथ श्रावक-श्राविकाओं ने भी पूज्य आचार्य आनंदऋषिजी म.सा. के प्रति भाव अभिव्यक्ति की। आयोजन के दूसरे दिन सोमवार को सामूहिक आयम्बिल तप की साधना होगी। सभा में पूज्य कंचनकंवरजी म.सा. ने कहा कि आचार्य श्री आनंदऋषिजी म.सा. का जीवन गुणों से भरपुर मिश्री के समान था तथा उन्होंने संघ एकता व समन्वय के लिए प्रेरणादायी कार्य किए। महान संत होने के बावजूद उन्होंने हमेशा स्वयं में लघुता के भाव रखते हुए जो भी उनके पास आया उसे सम्मान दिया ओर जिनशासन की सेवा के लिए प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि आचार्य आनंदऋषिजी म.सा. ने इतने बड़े संघ का आचार्य होने के बावजूद बेहद सरल व सादगीपूर्ण जीवन जीते हुए अनुशासनप्रिय होकर सभी को धर्म की मयार्दा पालना करने की सीख देते हुए थे। धर्मसभा में प्रखर वक्ता साध्वी डॉ. सुलोचना श्री म.सा. ने आचार्य आनंद ऋषिजी म.सा. के प्रति भाव अभिव्यक्ति करते हुए कहा कि वह सौभाग्यशाली महसूस करती है कि उन्हें अपने वैराग्यकाल में ऐसी महान आत्मा के दर्शन का सौभाग्य मिला। गुणों की खान ऐसे महान संत भक्तों के मध्य आनंद बाबा के नाम से ख्याति प्राप्त थे। आपके भक्तों में हजारों अजैनी भी शामिल थे। भक्त आज भी अपने आनंद बाबा को श्रद्धा से स्मरण एवं नमन करते है। मधुर व्याख्यानी डॉ. सुलक्षणाश्री म.सा. ने भी पूज्य आचार्य आनंद ऋषि जी म.सा. के जीवन से गुणों को अपनाने की प्रेरणा दी। धर्मसभा में शांता लोढ़ा, प्रेमचंद गुगलिया, कुसुम सेठ, दलपत सेठ, सम्पतसिंह लोढ़ा, नीता मेहता आदि श्रावक-श्राविकाओं ने भी पूज्य आचार्यश्री के प्रति मन के श्रद्धाभाव व्यक्त किए।

जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

जन्मपत्री विशेषज्ञ, वास्तु,ज्योतिष परामर्श व समाधान हेतु शीघ्र सटीक उपाय के लिए संपर्क करें

ज्योतिषाचार्य विनोद जैन शास्त्री

ऑनलाइन सेवाएं

- कम्प्यूटर से जन्म पत्रिका बनवाने।
- जन्म पत्रिका दिखाने।
- राशि रत्न, भाग्य रत्न, शुभ रत्न प्राप्त करने।
- सभी प्रकार से मनोवांछित शुभ कार्यों के लिए यंत्र प्राप्त करने।
- दात्पत्य सुख विचार हेतु, भाग्योदय का समय जानने हेतु, व्यवसाय विचार, ग्रह शांति उपाय, शारीरिक रोग, महादशा फल जानने।
- विवाह सन्तान विलम्ब के कारण व निवारण।
- ध्यान से व्यापार में आशा से अधिक लाभ करने के उपाय।
- ध्यान से सभी प्रकार के रोग दूर करने।
- मकान, दुकान, फैक्ट्री में वास्तु दोष निवारण।
- धन योग, राज योग, मकान योग जानने, ज्योतिष, वास्तु, ध्यान से सम्बन्धित कई प्रश्नों के उत्तर।
- विवाह के मामले में कुंडली मिलान की निशुल्क व्यवस्था।

122/183, Agarwal Farm, Mansarovar, Jaipur
M.: 98280 76193

सौरभ सागर महिला मंडल ने मनाया हरियाली तीज महोत्सव

आगरा. शाबाश इंडिया। सौरभ सागर महिला मंडल एवं सुंदरी शाखा गुदड़ी के द्वारा आगरा के गुदड़ी मंसूर खां स्थित श्री शीतलनाथ दिगंबर जैन मंदिर के सेठ बिहारी लाल जी की धर्मशाला परिसर पर हरियाली तीज महोत्सव का आयोजन किया गयो कार्यक्रम का शुभारंभ सभी महिलाओं ने णमोकार महामंत्र के साथ कियोउसके पश्चात भक्तांमर विधान किया गया। भक्तांमर विधान के पश्चात हरियाली तीज का कार्यक्रम हुआ ।जिसमें जैन समाज की महिलाएं हरी साड़ी,हरी चूड़ियां,हरी बिंदी और आभूषण पहन कर पहुंची। कीर्तन और सावन के भजनों पर महिलाओं ने जमकर नृत्य किया। इस महोत्सव में विभिन्न प्रतियोगिता कराई गई। जिसमें हरियाली तीज क्वीन चुनी गई। इस दौरान महिलाओं में बढ़ चढ़कर भाग लिया ।इस अवसर पर कुसुम जैन, अल्पना जैन,प्रेमलता जैन,सुशीला जैन सुनीता जैन,मधु जैन,शशि जैन,कुसुम जैन,राजकुमारी जैन पूनम जैन,शालु जैन,कमलेश जैन,प्रीति जैन,प्रिया जैन, समस्त सौरभ सागर महिला मंडल एवं सुंदरी शाखा गुदड़ी की सभी महिलाएं बड़ी संख्या में उपस्थित रही।

आर्यिका संघ के पावन सानिध्य में संस्कार, संगति एवं आहार विषय पर हुई सेमिनार

फागी. शाबाश इंडिया। कस्बे में चातुर्मास कालीन वाचना में विराजमान आर्यिका सुप्रज्ञमति माताजी स संघ के पावन सानिध्य में संस्कार , संगति एवं आहार पर सेमिनार का आयोजन किया गया। जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा ने अवगत कराया कि कार्यक्रम में मंदिर समिति के अध्यक्ष महावीर झंडा,भागचंद बजाज, महावीर बजाज, पंडित संतोष जैन, पंडित केलास कड़ीला, राजेंद्र जैन, शांति लाल जैन, विरेन्द्र नला, आदि श्रावकों द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरूआत की गई, कार्यक्रम में जैन धर्म रक्षक पाठशाला के 24 बच्चों के द्वारा मंगला चरण किया, कार्यक्रम में राज श्री कागला, रोनिका नला, सीए रिषभ जैन,आर्जव नला, ललित मांदी, आर्षी जैन, रिषिका, आदित्य कलवाडा,आर्ची मोदी,आस्था चोधरी , कृतिका धमाणा आदि वक्ताओं ने बताया कि मनुष्य को जीवन में संस्कार अपने परिवार से मिलते हैं, परिवार में जैसा खान पान, रहन - सहन,आचार -विचार, व्यवहार होगा वैसा ही बच्चे बच्चियां संस्कार प्राप्त करते हैं , वर्तमान में माता पिता लाड़-प्यार में बच्चों को मोबाइल की लत, फास्ट फूड, आदि की लत बचपन में ही डाल देते हैं जो आगे चलकर जीवन में विपरीत प्रभाव पड़ता, कार्यक्रम में आर्यिका सुप्रज्ञमति माताजी ने अवगत कराया कि बचपन में मिले संस्कार, संगति एवं आहार मनुष्य के अच्छे -बुरे का निर्माण करते हैं। यदि मनुष्य को बचपन तीनों संस्कार अच्छे मिलते हैं तो मनुष्य सत्पुरुष बन जाता है एवं सुसंस्कारों के अभाव में वह गलत मार्ग अपना लेता है। अतः सभी माता पिता को अपने बालकों में बचपन से अच्छे संस्कार देकर उनके भविष्य का अच्छा निर्माण कर सज्जन पुरुष बनाने में सहयोग करना चाहिए, आर्यिका श्री ने कहा कि वर्तमान में बाजार में अनेक सौन्दर्य प्रसाधन की सामग्री,अनेक खाद्य पदार्थ

सुख समृद्धि विश्वशांति की कामना हेतु स्वर्ण कलश एवं रजत झारिया से अभिषेक शांतिधारा की

भक्तामर काव्य विधान में काफी संख्या में श्रद्धालु ने बैठकर की भक्तिमय पूजा अर्चना

टोंक. शाबाश इंडिया

श्री आदिनाथ दिगंबर जैन नसिया अमीरगंज टोंक में सर्वसंकट निवारक, सुख समृद्धि दायक 16 दिवसीय वृहद भक्तामर काव्य आराधना विधान 31 जुलाई बुधवार से 15 अगस्त 2024 तक पावन सांनिध्य परम पूज्य बालाचार्य 108 श्रीनिपूर्ण नंदी जी महाराज के ससंघ सानिध्य में भक्तिमय आनंदमय पूजा अर्चना करते हुए भगवान के समक्ष विधान पर श्रीफल अर्घ्य समर्पित किए। समाज के प्रवक्ता पवन कंटान एवं कमल सर्राफ ने बताया कि रविवार को भक्तामर काव्य विधान में काफी संख्या में लोगों की उपस्थिति रही इस मौके पर दोपहर की बेला में श्री जी को रजत पांडूशीला पर विराजमान कर क्षीर सागर जल के समरूप जल से स्वर्ण कलश और रजत झारियो से पदमपुरा पदयात्रा संघ,कमल कुमारअश्विन पासरोटियां, ताराचंद जयकुमार आड़रा, इंद्र कुमार नरेश कुमार बनेठा, मनोज कुमार संजय कुमार बोली चेतन कुमार अक्षय कुमार निवाई वाले, पारसमल गंभीरमल नमक रमेश चंद विवेक कुमार काला, निर्मल कुमार अनिल कुमार कलई वाले सुरेंद्र कुमार प्रकाश चंद सेठी लालचंद रमेश चंद हाडीगांव वाले विजय कुमार महेंद्र कुमार मोठूंगा वाले ने अभिषेक, शान्ति धारा करके भगवान से समक्ष सुख समृद्धि और शांति की भावना की। भक्तामर विधान व्यवस्थापक ओम प्रकाश मोहम्मदगढ़ वाले और सुरेंद्र अजमेरा ने बताया कि प्रतिदिन विधान में बैठने वाले परिवारों की संख्या बढ़ रही है रविवार को लगभग काफी संख्या में श्रद्धालुओं सम्मिलित होकर बड़े भक्ति भाव से संगीतकार मुकेश एंड पार्टी एवं पंडित मनोज कुमार जी शास्त्रीके सानिध्य अर्घ्य समर्पित किए महाराज श्री ने प्रवजन में बताया कि यह नरजीवन हमें 84 लाख योनियों में भ्रमण करने के बाद मिला है इस नरतन को पाकर हमने धर्म ध्यान नहीं किया फिर हमें फिर 84 लाख योनियों में भ्रमण करना पड़ेगा मनुष्य गति ऐसी गती है जिसके लिए देवता भी तरसते हैं इसलिए सभी से कहना है अपने जीवन में जितना हो सके धर्म कार्य करते रहे।

कोटा डिस्ट्रिक्ट ताइक्वांडो एसोसिएशन के खिलाड़ी राज्य स्तरीय चैम्पीयन्शिप में चयनित

कोटा. शाबाश इंडिया। जिला स्तरीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता का आयोजन कोटा के श्रीनाथ पुरम स्टेडियम में किया गया जिसमें कोटा के कई स्कूल और अकेडमी के बच्चों ने भाग लिया। कोटा डिस्ट्रिक्ट ताइक्वांडो एसोसिएशन के अध्यक्ष अनिल कुमार ने बताया कि इस प्रतियोगिता में सीनियर वर्ग के खिलाड़ियों ने भाग लिया जिसमें कोटा डिस्ट्रिक्ट ताईक्वानडो एसोसिएशन द्वारा ट्राइल में सलेक्ट हुए खिलाड़ी आगामी 10 और 11 अगस्त को बीकानेर में आयोजित राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेंगे। स्टेट के लिये क्वालीफाई खिलाड़ी अंडर 54 हर्षित शर्मा, आयुष श्रीवास्तव, अंडर 58 दीपेश अंडर 63 नवीन, अंडर 68 ध्रुव अग्रवाल, अंडर 74 मयूर भाटिया, अंडर 80 ध्रुव शर्मा, व गर्ल्स में अंडर 46 कोमल मीना, तनिष्का, अंडर 53 दयावंती, अंडर 64 अंतिमा , अंडर 67 आईशानी सक्सेना, ओवर 73 भानुप्रिया, पुमसे हीना साहू, ऋतु चौधरी।

स्पार्कल प्रिमीयर लीग-10 की ट्राफियों का हुआ अनावरण

23 से 25 अगस्त को खेले जायेंगे मेच

जयपुर. शाबाश इंडिया

स्पार्कल प्रिमीयर लीग-10 की महिला व पुरुष वर्ग की विजेता तथा उपविजेता ट्राफियों का अनावरण रविवार को समाजसेवी जितेन्द्र चौधरी, अरूण कोठारी, विकास मेहता, प्रमोद पहाड़िया, तरूण नाहटा, नमित बक्शी, अमित महनोत और मोहित राणा ने किया। इस अवसर पर प्रतियोगिता में भाग लेने वाली टीमों की टी-शर्ट्स को भी लोगो सहित प्रदर्शित किया गया। जैन सोशल ग्रुप के तत्वावधान में होने वाले इस इवेन्ट के प्रोजेक्ट डायेरेक्टर विनोद रवीना जैन और पुष्पेश सुरभि कांकरिया ने बताया कि प्रतियोगिता में कुल 21 टीमें भाग ले रही हैं जिसमें पुरुष वर्ग में आकाश डारड़ा, आनन्द चौपड़ा अनिरूद्ध काला, अतुल चोरड़िया, देवांग शाह, धीरज बोरड, द्रियांशु बर्डिया, गोरव जैन, गौतम ओसवाल, मोहित बैद, राहुल रांका, रिषभ गोदिका, रोबिन कोठारी, रोहित जैन और सुमित ढड्ढा की टीमें प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगी। महिला वर्ग में डिम्पल जैन, हर्षिता सचेती, आशना धांधिया, श्वेता नाहर, गजल जैन, और मानवी मेहता की टीमें टूर्नामेंट में भाग लेंगी। समस्त प्रयोजकों तथा टीम ऑनर्स की मौजूदगी में आशीष स्वीटी जैन, अर्पित नेहा छजलानी और नितिन वंदना जैन ने बताया कि सुबह 10 बजे से 4 बजे तक 21 टीमों के लिये 252 पुरुष और महिला खिलाड़ियों का ऑक्शन कराया गया। प्रतियोगिता के मुकाबले अजमेर रोड स्थित एक रिसोर्ट -जोनबाय द पैलेस- पर 23 से 25 अगस्त को खेले जायेंगे। प्रतियोगिता में होने वाले मेचों की ऑनलाई स्कोरिंग के साथ-साथ इन मैचों का यूट्यूब पर लाईव प्रसारण भी किया जायेगा। इस अवसर पर जैन सोशल ग्रुप के अध्यक्ष अतुल प्रेरणा रांका तथा सचिव अक्षित दिव्या शाह सहित इस इवेन्ट के प्रोजेक्ट डायरेक्टर विनोद रवीना जैन, पुष्पेश सुरभि कांकरिया, आशीष स्वीटी जैन, अर्पित नेहा छजलानी, नितीन वंदना जैन के अलावा ग्रुप के पदाधिकारी और सदस्य भी उपस्थित रहे।

पर्यावरण संरक्षण के लिए हरियाली अमावस्या पर चूलगिरी अतिशय क्षेत्र पर किया वृक्षारोपण

कांग्रेस के मुख्य सचेतक रफीक खान थे मुख्य अतिथि

जयपुर. शाबाश इंडिया

हरियाली अमावस्या के मौके पर पर्यावरण संरक्षण के लिए आगरा रोड स्थित श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र चूलगिरी पर वृक्षारोपण किया गया। इस मौके पर कांग्रेस के मुख्य सचेतक रफीक खान मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। वरिष्ठ पत्रकार एवं चूलगिरी क्षेत्र के संरक्षण प्रवीण चन्द्र छाबड़ा ने खान का तिलक माल्यार्पण कर क्षेत्र कमेटी की ओर से भावभीना स्वागत-सत्कार किया। खान एवं छाबड़ा ने पर्यावरण संरक्षण के लिए विभिन्न किस्मों के पौधे रोपे गये। साथ ही पौधों की देखभाल का संकल्प लिया गया। इस मौके पर क्षेत्र कमेटी के रविन्द्र बज, विजय सोगानी सहित प्रदीप छाबड़ा, चावल पर सूक्ष्म लेखन कलाकार निरु छाबड़ा एवं बड़ी संख्या में जैन बन्धु शामिल हुए।

महिला जैन मिलन ने मित्रता दिवस मनाया

अशोकनगर. शाबाश इंडिया। रविवार सभी महिला जैन मिलन की वीरांगनाओं ने मिलकर मित्रता दिवस मनाया इसके लिए सभी वीरांगनाएं दयोदय पशुसेवा केंद्र (गौशाला) गई और वहां जाकर पशु चिकित्सा के लिए दान दिया साथ ही पशुओं के लिए हरी घास खिलाई ।इस अवसर पर आज मित्रता दिवस पर आपस में एक दूसरे को फ्रेंडशिप बेल्ट पहनाकर मित्रता दिवस मनाया ।शाखा अध्यक्ष दीप्ति कांसल,कोषाध्यक्ष अंजू बाँझल,जॉन प्रभारी हर्षिता जैन, विभा,जैन योगिता जैन, रानी वारी,रानी गांधी, शैलजा,दीप्ती कनेरा,डिम्पल,मीनू रोकड़िया, जूली जैन एवं प्रीति बाबा सहित अन्य सदस्याएं उपस्थित थी।

अखिल भारतीय श्री दिगंबर जैसवाल जैन (उपरोंचिया) सेवा न्यास द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

आगरा. शाबाश इंडिया

अखिल भारतीय श्री दिगंबर जैसवाल जैन (उपरौचिया) सेवा न्यास द्वारा, मेदांता मेडिसिटी एवं आरु क्लिनिक के स्पेशलिस्ट डॉक्टर की टीम द्वारा 4 अगस्त को सुबह 9 बजे से निर्मल सदन , आगरा में निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें हृदय रोग, श्वसन रोग, इंटरनल मेडिसिन, हड्डी रोग, आंखों से संबंधित रोग, बाल रोग, दंत रोग से संबंधित निशुल्क जांच एवं परामर्श दिया गया। शिविर में बीपी, शुगर की जांच, हड्डियों की जांच, फेफड़ों की जांच , आंखों की जांच, दांतों की जांच, ईसीजी, एक्सरे एवं आयुर्वेदिक की निशुल्क सुविधा प्रदान की गई । वहीं शिविर के उद्घाटन में सेवा न्यास के अध्यक्ष प्रदीप कुमार जैन (पीएनसी) ने बताया कि हमें जितना हो सके दूसरों की सेवा करनी चाहिए, पीड़ित मानवता की सेवा सबसे बड़ा धर्म है । उन्होंने कहा कि ''पर हित सरस धर्म नहीं भाई'' आज समाज का एक बहुत बड़ा तबका धनाभाव के कारण स्वास्थ्य सेवाओं से वंचित रह जाता है । इस तरह के कैंप में समाज के हर वर्ग के लोग अच्छे हॉस्पिटल्स के डॉक्टर्स के द्वारा स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ लेते हैं व स्वास्थ्य के प्रति जागरूक होते हैं । इन सभी लोगों को स्वास्थ्य लाभ दिलाकर दिल को बहुत ही सुकून मिलता है। इस शिविर में आरु क्लिनिक द्वारा निशुल्क परामर्श व दवाइयां वितरित की गई है जिसकी मैं हृदय से सराहना करता हूं। शिविर बहुत ही व्यवस्थित तरीके से लगाया गया था, सभी मरीज, डॉक्टर्स की सेवाओं से बहुत ही खुश थे, इस कैंप में शहर के 300 से ज्यादा मरीज लाभान्वित हुए। शिविर में सेवा न्यास के अध्यक्ष प्रदीप कुमार जैन अध्यक्ष, जगदीश प्रसाद जैन, विनोद जैन सर्राफ, मनोज जैन (बल्लो), डॉक्टर अनुभव जैन, डॉक्टर मनीष जैन, डॉक्टर सुरुचि जैन, डॉक्टर विनय जैन एवं समाज के गणमान्य महानुभाव, महिला मंडल एवं युवा मंडल उपस्थित थे जो कि सभी सेवा लाभ ले रहे थे। न्यास के महामंत्री उअ कमलेश जैन ने बताया कि न्यास परिवार समस्त समाज को अपना परिवार मानता है, जगह-जगह पर इस तरह के कैम्प लगवाकर लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना चाहता है। सभी लाभान्वित मरीज शिविर की सेवाओं से बहुत ही खुश नजर आ रहे थे, साथ ही साथ समाजसेवी गण भी सेवा करने के लिए प्रेरित हो रहे थे ।

धर्म की शरण में जाने से भव-भव का सुख मिलता है: मुनि प्रणम्य सागर महाराज

जयपुर में पहली बार मुनि प्रणम्य सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में मीरा मार्ग के आदिनाथ भवन पर चल रहा पार्श्व पुराण का वाचन, पार्श्वनाथ कथा में उमड़े श्रद्धालु, मीरा मार्ग के आदिनाथ भवन पर सोमवार को प्रातः 8.15 बजे होगी धर्म सभा

जयपुर. शाबाश इंडिया

संत शिरोमणि आचार्य 108 विद्यासागर महामुनिराज के परम प्रभावक शिष्य अर्हम योग प्रणेता मुनि प्रणम्य सागर महाराज के मुखारबिन्द से मीरा मार्ग के आदिनाथ भवन पर कवि भूधरदास द्वारा विरचित पार्श्वनाथ पुराण का वाचन किया गया जिसमें जैन धर्म के 23 वें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ के सात पूर्व भव के बारे में बताया कि समता भाव से प्राण त्याग करने पर वह अग्नि देव मुनि 16 वें स्वर्ग में अहमित्र देव हुए वहां 22 सागर की आयु पूर्ण कर विदेह क्षेत्र में वज्जवीरज राजा के यहां जन्म हुआ। उनका नाम वज्रनाभि रखा गया। मुनि श्री ने वाचन करते हुए बताया कि जो व्यक्ति मृत्यु से नहीं डरता वरन उसका सामना करता है, वह आने वाले भवों में मृत्युंजय हो जाता है। मुनि श्री ने कहा कि जो भव भव का सुख चाहता है वह धर्म शरण में जाता है। जो इस भव का ही सुख चाहता है वो भोगी बन जाता है। प्रसन्नता से सब कुछ जीता जा सकता है। कथा के दौरान सजीव पात्रों ने मनमोहक अभिनय कर श्रद्धालुओं का मन मोह लिया।

मुनि श्री द्वारा श्रद्धालुओं को अर्हम ध्यान योग के अन्तर्गत अरिहंत परमेष्ठी का ध्यान करवाया गया। इससे पूर्व मनीष - रचना चौधरी एवं संगीतकार नरेन्द्र जैन के निर्देशन में आचार्य विद्यासागर महामुनिराज की संगीतमय पूजा की गई। आचार्य समय सागर महाराज एवं मुनि प्रणम्य सागर महाराज का अर्घ्य चढ़ाया गया। तत्पश्चात समाजश्रेष्ठी इन्द्रमति देवी, प्रदीप दिलीप ललित चूडीवाल परिवार द्वारा संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर महामुनिराज एवं आचार्य समय सागर महाराज के चित्र का जयकारों के बीच अनावरण किया गया। भगवान आदिनाथ के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलन किया गया। तत्पश्चात मुनि श्री प्रणम्य सागर महाराज के पाद पक्षालन एवं शास्त्र भेट करने का पुण्यार्जन किया। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि के रूप में आई ए एस राहुल जैन, मथुरा एस डी एम प्रीति जैन एवं श्रमण संस्कृति संस्थान के अधिष्ठाता डॉ जय कुमार जैन शामिल हुए। अतिथियों को प्रमोद पहाड़िया, शीतल कटारिया, राजेन्द्र सेठी एवं राजेश काला ने प्रतीक चिह्न भेट कर सम्मान किया। सहित मंदिर समिति अध्यक्ष सुशील पहाड़िया ने बताया कि सभी अतिथियो सहित समाजश्रेष्ठी नन्द किशोर पहाड़िया, सुनील पहाड़िया, दर्शन बाकलीवाल, भारतभूषण जैन सहित मंदिर समिति ने मुनि श्री प्रणम्य सागर महाराज ससंघ को श्रीफल भेट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। समिति के संगठन मंत्री अशोक सेठी एवं सांस्कृतिक मंत्री जम्बू सोगानी ने बताया कि मीरामार्ग के श्री आदिनाथ भवन पर मुनि प्रणम्य सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में सोमवार 5 अगस्त को प्रातः 8.15 बजे श्री पार्श्वनाथ कथा का संगीतमय आयोजन आयोजन किया जाएगा इस मौके पर आचार्य विद्यासागर महामुनिराज की पूजा एवं मुनि श्री प्रणम्य सागर महाराज के मंगल प्रवचन होगें। मुनि श्री की आहारचर्या प्रातः 9:40 बजे होगी। दोपहर में 3.00 बजे शास्त्र चर्चा होगी। गुरुभक्ति एवं आरती सांय 6:30 बजे एवं वैयावृत्ति रात्रि 8:30 बजे होगी।

48 दीपकों से हुई जिनेन्द्र भगवान की आरती

गांव मंदिर जी में हुआ भक्तामर पाठ का आयोजन

गौरव जैन सिन्नी. शाबास इंडिया

अशोकनगर शहर के पुराना बाजार स्थित दिगंबर जैन गांव मंदिर जी में भक्तामर मंडल द्वारा श्री भक्तामर जी पाठ का आयोजन किया गया। शनिवार से प्रारंभ हुआ भक्तामर जी का पाठ 24 घंटे चला जो कि रविवार को समाप्त हुआ। भक्तामर पाठ में शहर के जैन धर्मावलंबियों, युवाओं एवं महिलाओं ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया। रात्रि में अंकित जैन एंड पार्टी गुना के द्वारा 48 दीपकों के साथ रंगारंग महाआरती का आयोजन किया गया। यहां बता दें कि जगत शांति की कामना हेतु आयोजनकर्ता भक्तामर मंडल द्वारा प्रतिवर्ष यह आयोजन किया जाता है।

जनकपुरी पाठशाला के विद्यार्थियों की धार्मिक यात्रा

अहिंसा संयम व तप का पालन ही धर्म : आर्यिका वर्धश्व नंदिनी माताजी

जयपुर. शाबाश इंडिया। जैन पाठशाला जनकपुरी के बच्चों व द्वादश वर्षीय पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों का दिनांक 04/08/24 रविवार को एक धार्मिक यात्रा का कार्यक्रम आयोजित हुआ। पाठशाला के मुख्य संयोजक पदम जैन बिलाला ने बताया कि धार्मिक स्थानों में विराटनगर, अहिंसा स्थल अलवर, व अतिशय क्षेत्र तिजारा के चन्दा प्रभु के दर्शन किए गये जहां व्यवस्था में अनिल जैन अहिंसा स्थल वालों का पूर्ण सहयोग रहा । इधर रास्ते में सिलीसेढ़ में विद्यार्थियों ने झील में बोटिंग आदि का आनंद लिया । संयोजक सुरेश शाह व राजेंद्र ठोलिया के अनुसार तिजारा में आर्यिका वर्धश्व नंदिनी माताजी के दर्शन कर आशीर्वचन प्राप्त किया जिसमे माताजी ने अहिंसा संयम व तप को धर्म से जोड़ते हुए कहा कि धर्म करने वाला ही धार्मिक कहलाता है । माताजी ने अहिंसक आहार के प्रभावी प्रचार प्रसार के बारे में भी चर्चा की। यात्रा में धार्मिक चर्चा करते हुए शिखर चंद किरण जैन ने छात्रों को धर्म की विभिन्न बाते समझायी। यात्रा में युवा मंच के अमित शाह व नीरज जैन का व्यवस्था में सहयोग रहा।

स्पर्श अभियान के तहत आईएएस नवीन जैन ने बच्चों को बताए सुरक्षा के उपाय

आयुष पाटनी. शाबाश इंडिया

जोधपुर । दीप परामर्श केन्द्र के तत्वावधान में स्पर्श अभियान के अन्तर्गत जोधपुर मे पहली बार 'गुड टच एव बैड टच' के बारे में आईएएस अधिकारी नवीन जैन द्वारा विधार्थियों विशेष बालकों को किस प्रकार प्रशिक्षण दिया जाए और कैसे उन्हें विषय पर समाज की इस अवधारणा से सुरक्षित किया जाए। नवीन जैन ने बताया की बच्चो के भविष्य को किस प्रकार सुरक्षित किया जाए एवं इस प्रकार की घटना होने पर कैसे उन बच्चों को अपने आप को सुरक्षित करना है और अपनी भावनाओं शारिरिक एवं मानसिक रूप से कैसे सुरक्षित होना है। जोधपुर मे पहली इस स्पर्श अभियान को करने के लिए दीप परामर्श केन्द्र की डायरेक्टर डॉ. चन्द्रकला गोस्वामी ने नवीन जैन सर का हार्दिक आभार जताया एवं धन्यवाद दिया। कार्यक्रम का संचालन मानली गिरी ने किया।

''एक वृक्ष माँ के नाम'' ह्यूमन ग्लोरी फाउंडेशन द्वारा आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

ह्यूमन ग्लोरी फाउंडेशन के संरक्षक राजीव जैन गाजियाबाद, नीता बूचरा, ममता सोगानी (जापान वाले) के मार्गदर्शन में ''एक वृक्ष माँ के नाम'' को साकार करते हुए ह्यूमन ग्लोरी फाउंडेशन के अध्यक्ष प्रमोद जैन भँवर ने बताया कि राष्ट्रीय सेवा योजना सुबोध के डॉ विशाल गौतम के संयुक्त तत्वावधान में रविवार 4 अगस्त 2024 हरियाली अमावस्या को माधव पार्क बरकत नगर, जयपुर में विशाल पौधा रोपण व वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। समाजसेविका मनीषा जैन ने बताया कि इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अर्जुन पुरस्कार विजेता (ओलम्पियन) गोपाल सैनी रहे। कार्यक्रम में राष्ट्रपति पुरस्कार सम्मानित शुभम पारीक सहित, पूजा यादव, प्रियंका , रोहन , अक्षय मौर्य , खुशबू विजय कुमावत, जितेन्द्र पाटौदी, प्रमोद शर्मा, मूलचंद पहाड़िया व अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। वृक्षारोपण कर सभी ने इनकी देखभाल करने का संकल्प लिया।

आचार्य आनंद ऋषि महान साधक, सलाहकार व आशीर्वाद दाता थेः युवाचार्य महेंद्र ऋषि जी

एएमकेएम में नौ दिवसीय आनंद जन्मोत्सव आठवां दिवस

सुनिल चपलोत. शाबाश इंडिया

चैन्नेई। एएमकेएम जैन मेमोरियल सेंटर में चातुमार्सार्थ विराजित श्रमण संघीय युवाचार्य महेंद्र ऋषिजी रविवार को दोपहर विशाल प्रवचन धर्मसभा मे श्रध्दालुओं को बताया कि संसार मे साधक चार प्रकार के होते हैं। एक वे, जो अपने दुःख का, अपने भव का अंत करने वाले होते हैं लेकिन औरों का नहीं। अपने पुरुषार्थ, आराधना से वे अपनी नैया को संसार सागर से पार कर लेते हैं लेकिन औरों के लिए कुछ नहीं कर पाते। एक वे होते हैं जो दूसरों के दुःख का अंत कर देते हैं लेकिन अपने भव भ्रमण का अंत नहीं कर पाते। हम सोचते हैं इस संसार में जैसै को तैसा होना चाहिए लेकिन आज की दुनिया आसान नहीं है। उन्होंने कहा आचारांग सूत्र में कहा गया है अशस्त्र से बढ़कर कोई शस्त्र नहीं होता है। एक वे होते हैं जो अपने भव भ्रमण को मिटा देते हैं और दूसरों को भी आगे बढ़ा देते हैं, चाहे वो गणधर हो या आचार्य आनंद ऋषिजी। उन्होंने आगे कहा कि आचार्य आनंद ऋषिजी की साधना निरंतर चलती थी। कभी किसी नियम को उन्होंने तोड़ा ही नहीं। वे भीतर से भी साधना में तन्मय रहते थे। उस साधना में जीवन का प्रभाव ऐसा था कि जो भी उनके चरणों में आते थे, वे भी साधना से जुड़ जाते थे। कोई दुःखी, संघर्षशील उनके पास पहुंच जाता, उसे शांति का अनुभव कराते। आज भी जो आनंद धाम परिसर में पहुंचता है, वह आनंद, शांति का अनुभव करता है। अंतिम समय में जो भी उनके दर्शन करने आते थे, हमने उनके मस्तक पर शिकन तक नहीं देखी। उन्होंने आखिरी 1991 की संवत्सरी तक चौविहार उपवास ही किया। उन्होंने कहा आप मानोगे नहीं, जितनी उनकी नॉर्मल में साता रहती थी, उससे ज्यादा चौविहार उपवास में रहती थी। उनमें सबके कल्याण की भावना थी। उनका सबके प्रति सम्मान, सद्भाव था। वे सबको आशीर्वाद देते थे और उनकी चिंता मिट जाती थी। उनकी हमेशा किसी को भी सही मार्गदर्शन करने की भावना रहती थी। वे कहा करते थे कि जब तक हमारी साधना मजबूत नहीं बनती, हमें दूसरों को सलाह नहीं देनी चाहिए।

बेटियां लव जिहाद व लिव इन रिलेशनशिप के षड़यंत्र से बचें : आर्यिका वर्धस्व नंदनी

तिजारा. शाबाश इंडिया। अतिशय क्षेत्र देहरा जैन मंदिर तिजारा में चातुर्मास रत आर्यिका वर्धस्वनंदनी माता जी के ससंघ सानिध्य में रविवार को समाज व देश निर्माण एवं धर्म मे नारी की भूमिका विषय पर नारी सम्मेलन आयोजित कर नारी सशक्तीकरण का संदेश दिया गया। मन्दिर समिति व धर्म जागृति संस्थान के राष्ट्रीय प्रचार मंत्री संजय जैन बड़जात्या के अनुसार कार्यक्रम का शुभारंभ चंद्रप्रभु भगवान के चित्र अनावरण व दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। कार्यक्रम की अतिथि गण मनीषा जैन (अलवर), अनिता, रीना, पूनम जैन रही। कार्यक्रम में श्रद्धालु महिलाओं ने आर्यिकाओ के पाद प्रक्षालन व शास्त्र भेट किया । सम्मेलन मे नारी सशक्तिकरण, नारी को परिवार, समाज व देश निर्माण मे भूमिका एवं नारी का धर्म में महत्व एवं सामाज मे फैली बुराईयों को दूर करने सहित अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए। कार्यक्रम में भारतीय संस्कृति के तहत सोलह श्रृंगार प्रतियोगिता एवं डांडिया कार्यक्रम हुआ। इस अवसर पर आर्यिका वर्धस्वनंदनी ने अपने प्रवचन में नारी को राष्ट्र निमार्ता बताया। नारी शिक्षा व भविष्य को जन्म देती है। उन्होंने कहा यदि माताएँ चाहती हैं कि उनकी बेटियों का दांपत्य जीवन सुखमय रहें तो वे उनके वैवाहिक जीवन में हस्तक्षेप न करें, उनके दैनिक जीवन की बातें को सांझा न करें। साथ ही नारी सम्मेलन में उपस्थित बेटियों को 'लव जिहाद' व लिव इन रिलेशनशिप जैसे षड्यंत्र के प्रति सावधान रहना चाहिए। उन्होंने युवतियों का आह्वान करते हुए कहा कि अपने भविष्य का निर्णय स्वयं लें किन्तु विवाह सम्बन्धी निर्णय अपने माता-पिता पर छोड़ दें। कार्यक्रम में स्थानीय कस्बा सहित आसपास क्षेत्र की महिला बड़ी संख्या में उपस्थिति रही। प्रबंध समिति के अध्यक्ष मुकेश कुमार जैन, अनिल कुमार जैन, निर्मल जैन सहित अन्य पदाधिकारीयों ने कार्यक्रम में बाहर से आए श्रद्धालुओं का आभार जताया।

251 जोड़ों ने किया पार्थिव शिवलिंगों का पूजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

हरियाली अमावस्या के अवसर पर सीकर रोड स्थित ग्लोरियस रिसॉर्ट में 17 वां पार्थिव शिवलिंगों का पूजन व महा रुद्राभिषेक का आयोजन किया गया। इस मौके पर 251 जोड़ों ने विधि विधान से पार्थिव शिवलिंगों का पूजन किया। इस दौरान सजी झांकिया भक्तों के बीच आकर्षण का केन्द्र रही। कार्यक्रम के मुख्य संयोजक एवं आचार्य पंडित राजेश शास्त्री ने बताया कि 251 जोड़े व 271 विद्वान पंडितों द्वारा विभिन्न नदियों से लाई गई मिट्टी के बनाए गए शिवलिंगों की पूजन की गई व विभिन्न नदियों से लाए गए गंगाजल दूध दही शहद पंचामृत गन्ने का रस, बिल का रस, भांग, धतूरा, बेलपत्र, ध्रुवा वह विभिन्न प्रकार की सामग्रियों से शिवलिंग का अभिषेक किया गया। इस दौरान 11 विद्वान पंडितों ने रुद्री पाठ औरसंगीतमय महाआरती की। इस अवसर पर मुख्य अतिथि विधायक एवं महामंडलेश्वर बाल मुकुंदाचार्य सहित इंग्लैंड और अमेरिका से आए हुए प्रवासी भारतीयों ने एवं दिल्ली से आए हुए जोड़ों ने भी कार्यक्रम में भाग लेकर पूजा अर्चना की। इस अवसर पर शिव पार्वती नांदिया और गणों की सजीव झांकियां साथ धूमधाम से बारात निकली गई,साथ ही भक्तों को हनुमान जी एवं गंगा मैया की भी सजीव झांकी के दर्शन कराए गए उपस्थित जन समूह ने जातियों के साथ में नृत्य करते हुए आनंद लिया एवं शिव की आराधना की। इस मौके पर विधायक बालमुकुंदाचार्य जी महाराज ने कहा कि सावन मास में आज के दिन की विशेष शिवजी का दिन मानकर की गई पूजा का विशेष फल मिलता है।

जीवन अच्छा कैसे चले इसके लिए जरूरी है मैनेजमेंट: मुनि श्री समत्व सागर

जयपुर. शाबाश इंडिया

टोंक रोड स्थित कीर्ति नगर जैन मंदिर में रविवार को हुई धर्मसभा में बच्चों,युवाओं को जीवन प्रबंधन की कला सिखाते हुए परम पूज्य आचार्य श्री 108 विषुद्ध सागर के परम प्रभावक षिष्य मुनिश्री 108 समत्व सागर जी महाराज ने कहा कि आज तक हम जिस तरह का जीवन जी रहा हूं,उसका आकलन यानि कीमत नहीं कर पाता हूं और मुझे जहां होना चाहिए वहां पहुंच नहीं पाता हूं। इसलिए मेरा जीवन अच्छा कैसे चले इसके लिए जरूरी है मैनेजमेंट। जिन-जिन को अपनी लाइफ का मैनेजमेंट करना आ जाता है,वहीं जीवन को सही ढंग से जी पाता है और वही जीवन में आगे बढ़ पाता है।जैन कुल हम सभी को अनुषासित जीवन जीने की कला के साथ ही जीवन प्रबंधन की कला सिखाता है। जैन धर्म के जो भी सिद्धांत है,उन सभी को अपनाकर हम अपने जीवन को उंचाइयों पर पहुंचा सकते है।जितना विज्ञान आगे बढ़ेगा,उतना ही जैन धर्म के पास पहुंचेगा इसलिए ऐसे जैन कुल मिलने पर हम सभी को गर्व करना चाहिए। तुम जैन हो इस बात पर तुम्हें गर्व करना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि जब तक व्यक्ति के जीवन में आत्म विष्वास नहीं आएगा वह आगे बढ़ नहीं पाएगा। आत्मा पर जिसको विष्वास नहीं है और जो स्वयं पर विष्वास नहीं करता है उसके अंदर आत्म विष्वास कैसे आएगा। जो सबसे ज्यादा अपने आप में स्वयं अनुशासित होगा,वहीं दूसरे का अनुशासित कर पाएगा। जीवन में आगे बढ़ने के लिए अंदर के डर को निकालना बहुत जरूरी है। जब तक डर रहेगा,वह आगे नहीं

बढ़ पाएगा। उन्होंने आगे कहा कि जैन कुल में जो अनुशासन में नही रह पा रहा है, इसे फिर से जैन कुल नहीं मिलने वाला है।इसलिए हम सभी को जैन कुल में जन्म लने की कीमत पहचानने की आवष्यकता है। जब तक हम अपनी कुल की पहचान नहीं पाएंगे तब तक हम कुछ नहीं कर पाएंगे। उंची सोच,उंचा खानपपान, रहन-सहन, परिवार की विचारधारा, उंची शिक्षा, पैसा आदि को आज दुनिया देख रही है।इसलिए तुम्हें अपनी कीमत स्वयं को पहचानने की जरूरत है। अध्यक्ष अरुण काला व महामंत्री जगदीश चन्द जैन व प्रचार प्रसार मंत्री आशीष बैद ने बताया कि धर्मसभा के प्रारंभ में चित्र अनावरण पाठशाला के बच्चों ने किया। इस दौरान काफी सख्या में बच्चों व युवाओं ने जीवन प्रबंधन, अनुशासन आदि की कलाएं सीखी। महाराजश्री के सोमवार को प्रवचन सुबह 8.15 बजे होंगे।

ज्ञानतीर्थ पंडित टोडरमल भवन में 47वां आध्यात्मिक शिविर शुरू

जयपुर. शाबाश इंडिया

बापूनगर स्थित ज्ञानतीर्थ श्री टोडरमल स्मारक भवन में पण्डित टोडरमल सर्वोदय ट्रस्ट, जयपुर के बैनर तले 47वाँ आध्यात्मिक शिक्षण शिविर रविवार से शुरू हुआ। 11 अगस्त तक चलने वाले इस शिविर में देशभर से ख्यातिप्राप्त 70विद्वान अध्यात्म रस की गंगा बहाएंगे। ट्रस्ट के अध्यक्ष सुशील कुमार गोदिका व महामंत्री परमात्म प्रकाश भारिल्ल ने बताया कि शिविर का शुभारम्भ ध्वजारोहण कर अचरजदेवी ओसवाल, घेवरचन्द ओसवाल परिवार, जयपुरवालों ने किया। शिविर उद्घाटन अश्वनी जैन, अनिका जैन दिल्ली,मंच उद्घाटन लीला- प्रेमचन्द जैन एडवोकेट, दौसा एवं मण्डप उद्घाटन ,सुरेशचन्द जैन, शिवपुरी ने किया। भवन में स्थित आचार्य कुन्दकुन्द के चित्र का अनावरण सुनील-भावना शान्तिलाल-स्नेहलता चौधरी, भीलवाड़ा, आचार्य धरसेन के चित्र का अनावरण निशा जैन धर्म.पत्नी लक्ष्मीचन्द

जैन, जयपुर, पण्डित प्रवर टोडरमलजी के चित्र का अनावरण कविता- प्रकाशचन्द छाबड़ा परिवार, सूरत, आध्यात्मिक सत्पुरुष श्री कानजी स्वामी के चित्र का अनावरण प्रमोद मोदी परिवार, सागर ने किया। समारोह के अध्यक्षता राहुल गंगवाल जयपुर ने की। उन्होंने बताया कि इस मौके पर पंडित अभयकुमार शास्त्री, देवलाली, डॉ. शुद्धात्मप्रभा टड़ैया, मुम्बई,डॉ. शांतिकुमार पाटील, जयपुर, पंडित कमलचन्द जैन, पिड़ावा,पंडित अरुणकुमार शास्त्री, पंडित पीयूष शास्त्री, जयपुर, डॉ. दीपक शास्त्री ह्यवैद्यह्य, जयपुरय विदुषी स्वानुभूति शास्त्री, मुम्बई, पंडित अनेकान्त भारिल्ल, जयपुर, पंडित सर्वज्ञ भारिल्ल, जयपुर,, पंडित जिनकुमार शास्त्री, जयपुर,, पंडित संयम शास्त्री, नागपुर, पंडित गौरव शास्त्री, जयपुर, डॉ. ऋषभ शास्त्री, दिल्ली, पंडित जिनेन्द्रजी शास्त्री, जयपुर, पंडित रिमांशु शास्त्री, जयपुर, पंडित समकित शास्त्री, खनियांधाना, पंडित अमन शास्त्री, जयपुर, पंडित अखिल शास्त्री, जयपुर, पंडित स्वानुभव शास्त्री, खनियांधाना आदि विद्वान भी सभा में उपस्थित रहे। उन्होंने बताया कि यह शिविर 8 दिन तक संचालित होगा, जिसमें प्रतिदिन लगभग 14 घंटे तक प्रवचन, विधान, कक्षा, गोष्ठी, संगोष्ठी, परिचर्चा, भक्ति आदि के माध्यम से अध्यात्म को समझाया जाएगा, आत्मा के स्वरूप को बताया जाएगा। इस अवसर पर देशभर से उपस्थित 70 विद्वानों द्वारा जिनधर्म की महती प्रभावन की जाएगी।